डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 55 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 02 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

गुजरात के सोमनाथ में पहली बार नहीं होगा उर्स

● सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका

अहमदाबाद (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के सोमनाथ में उर्स की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। एक याचिका में गिर सोमनाथ जिले में ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर एक से तीन फरवरी तक 'उर्स' आयोजित करने की अनुमति मांगी गई थी। जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि सरकारी जमीन पर मंदिरों समेत सभी अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। कई दशकों बाद ऐसा होगा जब सोमनाथ के पास होने वाला उर्स आयोजित नहीं होगा।

मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि सालों से उर्स होता आया है लेकिन प्रशासन ने इजाजत देने से इन्कार कर दिया है। वकील ने कहा कि वहां इसके लिए दलील दी गई कि वहां पर कोई दरगाह नहीं है। उर्स की अनुमति मांग रहे पक्ष की तरफ पेश वकील ने स्टिस बी आर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से कहा कि रिकॉर्ड में 1960 तक का जिक्र है जो कुछ शर्तों के साथ इजाजत मिलती रही है और तीन दिनों तक चलने वाला ये महोत्सव हर साल होता रहा है। गौरतलब हो कि मुस्लिम पक्ष का दावा है कि ये दरगाह सन 1299 से मौजूद है।

मणिपुर को सुलगाने के पीछे आतंकी पन्नू भी शामिल

● चिंता बढ़ाने वाली है यह रिपोर्ट, ईसाइयों को उकसा रहा है पन्नू ● अलगाववाद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है एसएफजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू से जुड़ा संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पूर्वोत्तर को सुलगाने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने अपने नोट में बताया है कि एसएफजे मणिपुर में ईसाइयों को उकसाने में लगा है और अलगाववाद को बढ़ावा दे रहा है। एसएफजे एक आतंकी संगठन है जिस पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। पन्नू खुद को उसका कानूनी सलाहकार कहता है। इतना ही नहीं, नोट में ये भी बताया गया है कि एसएफजे सेना में शामिल सिखों को भी सेना छोड़ने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहा है। एजेंसियों के तरफ से तैयार ये नोट केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से बुधवार को जारी 290 पेज के एक ट्राइब्यूनल आदेश का हिस्सा था। इस महीने की शुरुआत में ट्राइब्यूनल ने धारा 1967 के तहत एसएफजे पर 5 साल के प्रतिबंध को बरकरार रखा था। नोट में कहा गया है कि एसएफजे ईसाइयों को भारत से अलग होने के लिए उकसा रहा है।

पुंछ में घुसपैठ नाकाम, सुरक्षाबलों ने 2 आतंकी मारे

एक पीओके की तरफ भागा, एलओसी पर सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ को नाकाम कर 2 आतंकियों को मार गिराया। आतंकी एलओसी से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। जब सुरक्षाबलों ने रोका तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। हालांकि एक आतंकी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भाग गया। जम्मू के सिक्योरिटी स्पोक्स पर्सन ने बताया कि

घटना देर शाम की है। पुंछ जिले के खारी करमारा इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच 19 जनवरी की शाम को भी हुई थी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों की घेराबंदी की थी। हालांकि दोनों भागने में कामयाब रहे थे। सुरक्षाबलों को आतंकवादियों का इनपुट मिला था। पुलिस ने बताया था कि इनपुट के आधार पर सुरक्षाबल सोपोर के जालोरा गुज्जरपति में सर्च ऑपरेशन कर रहे थे। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग कर दी।

आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे शुभांशु शुक्ला

स्पेस एक्स ड्रैगन के पायलट बनेंगे, कहा-अंतरिक्ष में योग करूंगा, 14 दिन रिसर्च करेगा मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स के ऑफीसर शुभांशु शुक्ला को नासा के एग्जियम मिशन 4 के लिए पायलट चुना गया है। जल्द ही वे स्पेस एक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएंगे। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे। यह मिशन 14 दिन तक

चलेगा। इसके तहत रिसर्च की जाएगी। शुभांशु इसरो के मिशन गगनयान के लिए ट्रेनिंग ले रहे है। मिशन की कमांड पैगी व्हिटसन संभालेंगी । शुभांशु पायलट होंगे। इनके साथ मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोज उजनांस्की-विश्निवस्की और तिबोर कापू अप्रैल और जून 2025 के बीच एग्जियम मिशन-4 पर जाएंगे। मिशन में भारत के अलावा पोलैंड-हंगरी के एस्ट्रोनॉट्स भी कमांडर पैगी व्हिटसन- पैगी ने ×-2 मिशन की कमांडर के रूप में काम किया है। पैगी ने नासा के मिशन में 675 दिन काम किया है।

फिरोजपुर में भीषण सड़क हादसा, 11 लोगों की मौत

● धुंध में कैंटर-पिकअप की हुई टक्कर, 11 लोग घायल ● सड़क किनारे बिखरी रहीं लाशें, बिलखते दिखे परिजन

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में सुबह करीब 8 बजे एक बोलेरो पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ। हादसे के वक्त पिकअप में 25 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से मरने वालों की लाशें सड़क किनारे बिखरी पड़ी मिलीं। जबकि, जख्मी लोगों को पुलिस ने राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आशंका जताई है कि हादसा धुंध के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, इसे लेकर फिरोजपुर की डीसी दीपशिखा शर्मा ने कहा है कि सभी घायलों का इलाज जिला प्रशासन की ओर से करवाया जा रहा है। इनकी पूरी देखभाल की जाएगी। जबकि, एसपी गौरव यादव ने भी पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। क्राइम सीन पर जांच के लिए पहुंचे इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह बराड़ ने बताया है कि सुबह घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सड़क सुरक्षा फोर्स (एसएसएफ) की टीमें पहुंच गई थीं।

संसद में साल 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश

● 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी तक रह सकती है जीडीपी ग्रोथ ● अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच महंगाई 4.9 फीसदी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यानी 31 जनवरी को इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। इसके अनुसार एफवाय 26 यानी, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है।

वहीं रिटेल महंगाई वित्त वर्ष 2024 में 5.4 फीसदी थी जो अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 फीसदी हो गई। इकोनॉमिक सर्वे बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है। इसमें सरकार इस वित्त वर्ष यानी 2024-25 में देश की जीडीपी का अनुमान और महंगाई समेत कई जानकारियां होती है। ठीक हमारे घर की डायरी की तरह ही होता है इकोनॉमिक सर्वे। इससे पता चलता है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत कैसी है। 2025-2026 में इकोनॉमी 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी की

रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2024-2025 में रिटेल महंगाई 5.4 फीसदी थी जो अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 फीसदी हो गई। कम उपज के चलते सप्लाई चेन में बाधा आई है।

चालू वित्त वर्ष ने भी दिया जोर का झटका

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और कॉरपोरेट इनवेस्टमेंट धीमा होने का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर चालू वित्त वर्ष में साफ दिख रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान देश की विकास दर 6.4 प्रतिशत रह सकती है, जो कि पिछले 4 साल में सबसे धीमी है। वहीं, बीते वित्त वर्ष की तुलना में इस बार गिरावट देखने को मिल रही है।

- **खेती-किसानी को करना होगा और मजबूत-** सर्वे के अनुसार भारत के एग्री सेक्टर को और मजबूत करना होगा। यह देश की ताकत है और यह 5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रही है। भारत फूड सिक्योरिटी के मामले में एक दुनिया के लिए प्रमुख देश बनेगा। इस इकनॉमिक सर्वे ने डिसइंवेस्टमेंट पर चुप्पी बनाई है। उम्मीद की जा रही है कि बजट में सरकार की तरफ से डिसइंवेस्टमेंट पर बयान जारी किया जा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था 2023 में 3.3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करने में सफल रही। आईएमएफ का अनुमान है कि ग्लोबल इकनॉमी ग्रोथ रेट अगले 5 साल के लिए 3.2 प्रतिशत रहेगी। वैश्विक स्तर पर ग्रोथ रेट स्थिर है। लेकिन अलग-अलगे क्षेत्रों में ग्रोथ रेट अलग-अलग रहेगा। पहले कोरोना और फिर युद्धों की वजह से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। महंगाई ने इस दौरान लोगों को खूब परेशान किया है।

युवाओं और बुजुर्गों के नाम रहा राष्ट्रपति का अभिभाषण

सोनिया बोलीं-पढ़ते-पढ़ते थक गई बेचारी, राहुल ने कहा-बोरिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण की शुरुआत कुंभ हादसे में दुख व्यक्त करते हुए की। उन्होंने कहा- माननीय सदस्यों इस वक्त महाकुंभ भी चल रहा है। वहां हुए हादसे पर दुख प्रकट करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा- 70+ बुजुर्गों को आयुष्मान का फायदा मिला, छोटे कारोबारियों के लिए लोन लिमिट दोगुनी हुई। साथ ही 3 करोड़ नए घर का लक्ष्य जल्द पूरा होगा। राष्ट्रपति के इस अभिभाषण पर जब सोनिया गांधी से पूछा गया तो उन्होंने कहा, अंत तक

राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। बेचारी वह मुश्किल से बोल पा रही थीं। वहीं राहुल ने कहा- यह बोरिंग था, वहीं बातें बार-बार रिपीट की गईं। उधर सांसद पप्पू यादव ने कहा- राष्ट्रपति रबर स्टैंप की तरह हैं। वे बस लव लेटर पढ़ रही हैं। किसानों को फसलों का उचित दाम दिलाने और आय बढ़ाने पर सरकार काम कर रही है। 332 मिलियन टन अनाज उत्पादन हुआ। खरीब-रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी की है।

- **गरीब-मिडिल क्लॉस पर सरकार का जोर-** गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिले, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। देश के 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त कर आज अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने न्यू मिडिल क्लास का ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया जो नई ऊर्जा से भर रहा है। सरकारी कर्मचारियों के सम्मान के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के यूनिफाइड पेंशन के तहत 50 फीसदी निश्चित पेंशन देने का फैसला लिया गया है। आज देश के विकास में सबका साथ है इसलिए हम देश के सभी सामर्थ्य का अनुभव कर रहे हैं। इसका लाभ दलित, वंचित और आदिवासी समाज को मिल रहा है। जिस जनजातीय समाज की उपेक्षा होती रही, हमने उसके कल्याण को प्राथमिकता दी। 770 से ज्यादा एकलव्य विद्यालयों में आदिवासी बच्चों को शिक्षा दी जा रही है।
- **हेल्थ सर्विस पर और खर्च करेगी सरकार -** कैंसर मरीजों के लिए कैंसर दवाओं को कस्टम ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है। सर्वाइकल कैंसर के लिए 9 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जितना बल फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया, उतना ही सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया। अस्पताल, इलाज और सेवा के चलते परिवार का खर्च लगातार कम हो रहा है। एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। आज भारत टेक्नोलॉजी के रूप में अहम ग्लोबल प्लेयर है। भारत में 5 जी की शुरुआत इसका उदाहरण है। यूपीआई टेक्नोलॉजी की सफलता से प्रभावित हैं। 50 फीसदी से ज्यादा रियलटाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन हो रहा है। भारत में छोटे से छोटा दुकानदार इस सुविधा का लाभ उठा रहा है। बैंकिंग सेवाएं, एआई जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। 5 लाख से ज्यादा कॉमर्स सर्विस सेंटर में दर्जनों सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

चीन दुश्मनों से लड़ने बना रहा है 'प्रलयकारी' कमांड सेंटर

पेंटागन से 10 गुना बड़ा, 'बीजिंग मिलिट्री सिटी' ने डराया

सैटेलाइट तस्वीरों में नजर आए बड़े-बड़े बंकरों के सबूत

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया में वर्चस्व स्थापित करने के लिए चीन विनाशक तैयारियां कर रहा है। चीन की तैयारियों को देखकर यही लगता है, कि उसका मकसद भविष्य में खुद को एक ऐसी शक्ति के तौर पर स्थापित करना है, जिसके सामने कोई उठने का साहस ना कर सके। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है, कि पश्चिमी बीजिंग में चीन की सेना एक विशाल कमांड सेंटर का निर्माण कर रही है, जो अमेरिकी पेंटागन से कम से कम 10 गुना ज्यादा बड़ा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है, कि ये विशाल परिसर चीन का युद्ध कमांड सेंटर होगा। फाइनेंशियल टाइम्स ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से सनसनीखेज रिपोर्ट दी है, जिसकी जांच अब अमेरिकी खुफिया एजेंसियां कर रही हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, चीन का ये कमांड सेंटर राजधानी बीजिंग से करीब 30 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में बन रहा है और ये निर्माण स्थल करीब 607 हेक्टेयर का है।

- **चीन बना रहा है युद्ध लड़ने वाला ऑफिस-** अमेरिकी अधिकारियों का कहना है, कि चीन के इस कमांड सेंटर पर खुफिया समुदाय की बारीकी से नजर है। उनका कहना है, कि ये दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य कमांड सेंटर होगा, जो अमेरिकी पेंटागन से कम से कम 10 गुना ज्यादा बड़ा है। फाइनेंशियल टाइम्स ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से जानकारी दी है, कि पिछले साल से ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो चुका है। इस कमांड सेंटर से परिचित तीन अधिकारियों ने एफटी को बताया है, कि कुछ खुफिया विश्लेषकों ने इस प्रोजेक्ट को बीजिंग मिलिट्री सिटी नाम दिया है। चीन ये मिलिट्री कमांड सेंटर अब बना रहा है।

बिहार में मुस्लिम वोट को लेकर शुरू हुआ 'खेला'

भाजपा को छोड़ कर हर दल मुस्लिम वोटों का दावेदार

● आरजेडी से मुस्लिम वोटरों को नीतिश कुमार ने झटका

पटना (एजेंसी)। बिहार में 90 के दशक की दस्तक के पहले मुस्लिम वोटर ज्यादातर कांग्रेस के पक्ष में जाते रहे। लालू यादव के उदय और आरजेडी की स्थापना के बाद बड़ी तेज गति से मुस्लिम वोट कांग्रेस से कट गए। कांग्रेस से जो वोट छिटके, वे आरजेडी के पास चले गए। अयोध्या में राम मंदिर का संकल्प लेकर रथयात्रा पर निकले लाल कृष्ण आडवाणी को अरेस्ट कर लालू यादव ने मुसलमानों पर जादू कर दिया। बाद में मुस्लिम वोटर पर नीतिश कुमार के जेडीयू ने जबरदस्त पकड़ बना ली। 20वीं सदी में प्रवेश के साथ ही बिहार के मुस्लिम वोटर अपने-अपने हितैषी दलों- आरजेडी और जेडीयू में बंटते रहे। किसी के पास अधिक गए तो किसी के पास कम। मुस्लिम वोटों का इल्म सबसे अधिक लालू प्रसाद यादव और नीतिश कुमार को रहा है। लालू ने मुस्लिम वोटों की ताकत समझ कर नब्बे के दशक में जिस मुस्लिम-यादव

समीकरण की नींव रखी, वह अब तक उसकी वास्तविक ताकत बनी हुई है। आरजेडी से अलग हो चुकीं सिवान के मरहूम सांसद शहाबुद्दीन की बेवा हिना शहाब और उनके बेटे ओसामा की आदरपूर्वक आरजेडी में अगर लालू-तेजस्वी ने पुनर्वापसी उसी मुस्लिम-यादव समीकरण को ध्यान में रख कर कराई। लालू यादव अगर दूरदृष्टा रहे तो नीतिश कुमार उनसे भी बड़े तीरंदाज निकले। गुजरात दंगों से तब दागदार बना दिए गए नरेंद्र मोदी का विरोध कर उन्होंने मुसलमानों की दुखती नस सहला दी। आरजेडी को अपना हितैषी और लालू यादव को अपना मसीहा मानते आए मुसलमान नीतिश के इस दांव से भरभराकर उनके साथ आ गए। लालू से अधिक उन्हें नीतिश कुमार इसलिए आकर्षक लगे कि भाजपा के साथ रह कर भी उन्होंने उसके बड़े नेता को बिहार में 2014 के पहले तक घुसने नहीं दिया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए उठाने होंगे और भी कई कदम

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्य वर्ग को आयकर में राहत देकर जिस तरह खुशी प्रदान की, उससे बजट की सराहना स्वाभाविक है। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता की बागडोर संभालने के समय ढाई लाख रुपये की आय पर कोई टैक्स नहीं लगता था। इस बार इसे बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया। इस टैक्स छूट से मध्य वर्ग की जेब में अतिरिक्त पैसा होगा और इसके चलते खपत बढ़ेगी।

इससे अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, लेकिन कितना, यह आने वाला समय बताएगा, क्योंकि टैक्स छूट से जनता के पास करीब एक लाख करोड़ रुपये ही आएगा। वित्त मंत्री ने बताया कि अगले सप्ताह जो नया आयकर विधेयक लाया जाएगा, वह मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट के मुकाबले कहीं अधिक सरल और स्पष्ट होगा। उम्मीद की जा रही है कि इससे इनकम टैक्स एक्ट आपराधिक छवि से मुक्त होगा। यदि ऐसा होता है तो इससे जनता का विश्वास बढ़ेगा और वह समय पर सही तरीके से टैक्स देने को प्रेरित होगी।

बजट में सरकार अपनी नीतियों के जरिये भविष्य की रणनीति भी सामने रखती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं लगा कि सरकार बजट के माध्यम से किसी बड़े बुनियादी बदलाव की ओर बढ़ रही है। यह जरूर है कि सरकार पूंजीगत खर्च बढ़ाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ गरीबी उन्मूलन की योजनाओं पर व्यय बढ़ा रही है। यह बढ़ा हुआ खर्च सही तरह तभी इस्तेमाल हो सकेगा, जब राज्य सरकारें केंद्र की सलाह पर काम करेंगी।

कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम आदि क्षेत्र में केंद्र की नीतियों पर सही ढंग से अमल राज्यों के सक्रिय सहयोग से ही हो पाता है। इस मामले में डबल इंजन सरकारें अर्थात भाजपा शासित राज्य सरकारों को तो लाभ मिलता है, लेकिन कई बार गैर भाजपा शासित राज्यों में केंद्र की नीतियों को लागू करने में अड़चन आती है। कभी-कभी ये राज्य सरकारें केंद्र का सहयोग भी नहीं करतीं। वे केंद्र से मिले पैसे का उपयोग अपने हिसाब से करने पर जोर देती हैं और यदि केंद्र आपत्ति जताता है तो राज्य केंद्र पर अनावश्यक हस्तक्षेप का आरोप मढ़ते हैं और यह एक राजनीतिक मुद्दा बन जाता है।

बजट से पहले आए आर्थिक सर्वे की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। इस सर्वे ने कहा था कि लोगों के स्वास्थ्य पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है।

12 लाख तक टैक्स नहीं, फिर 10% स्लैब क्यों; 1 लाख करोड़ का घाटा उठाकर भी फायदे में सरकार

वित्त मंत्री का 1 घंटे 17 मिनट लंबा बजट भाषण और करीब 50 लाख करोड़ रुपए का बजट। आम लोगों के लिए इसे पूरी तरह समझना बेहद मुश्किल है। इसीलिए भास्कर के 3 एक्सपर्ट्स ने आसान भाषा में इस बजट की 8 जरूरी बातें डिकोड की हैं, जिन्हें आपको जानना चाहिए...

1. 12.75 लाख रुपए तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं, लेकिन शर्तें लागू*

'बिन मांगे मोती मिले, मांगें मिले न भीख'... इस बार के बजट में मिडिल क्लास को वो मोती मिल ही गया है। 12 लाख तक की कमाई पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार रुपए का अतिरिक्त स्टैंडर्ड डिडक्शन भी मिलेगा। यानी 12.75 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री। लेकिन इसमें 2 शर्तें लागू हैं...

i. ये बदलाव सिर्फ नए टैक्स रिजीम वालों के लिए हुआ है। यानी जिन्होंने ओल्ड टैक्स रिजीम चुनी है, उन्हें कोई फायदा नहीं मिलेगा।

ii. ये फायदा खासतौर पर उन्हें मिलेगा, जिनकी इनकम सैलरी से आती है। अगर आपने कैपिटल गेन किया है यानी शेयर मार्केट में पैसा लगाया, म्यूचुअल फंड में पैसा लगाया, घर की खरीद-फरोख्त की और उस पर टैक्स की देनदारी है, तो ये व्यवस्था लागू नहीं होगी।

इन आंकड़ों को देखने के बाद मन में ये सवाल उठ सकता है कि अगर 12 लाख तक की आय पर टैक्स नहीं लगेगा, तो फिर 4-12 लाख रुपए तक की कमाई पर 5 से 10 प्रतिशत टैक्स का प्रावधान क्यों है। इसे आसान भाषा में समझें तो पहले 7 लाख तक की आय पर

87A की तहत जो छूट मिलती थी, उसकी लिमिट बढ़ाकर 12 लाख कर दी गई है।

2. सरकार को डायरेक्ट टैक्स में 1 लाख करोड़ रुपए का घाटा होगा

इनकम टैक्स पर हुए ऐलान के बाद केंद्र सरकार को डायरेक्ट टैक्स में 1 लाख करोड़ रुपए, वहीं इनडायरेक्ट टैक्स में 2,600 करोड़ के रेवेन्यू का नुकसान हो सकता है। हालांकि इनमें से एक बड़ा हिस्सा वापस सरकार के पास आ जाएगा।

उदाहरण के लिए- अगर टैक्स में बदलाव से आपके 10 हजार रुपए बचे। इनमें से आपने 8 हजार रुपए की शॉपिंग कर ली, तो GST, कस्टम ड्यूटी जैसी चीजों से इसका एक हिस्सा वापस सरकार के पास पहुंच जाएगा। इसलिए सरकार को बहुत नुकसान नहीं होगा।

3. लोगों के हाथ में पैसे आएंगे, वो ज्यादा खर्च करेंगे तो इकोनॉमी बूस्ट होगी

देश में 85% लोग 12 लाख रुपए से कम कमाते हैं। टैक्स को लेकर हुए ऐलान के बाद लोगों के पास पैसे बचेंगे और लोग यह पैसे दूसरी चीजों पर खर्च करेंगे। इससे FMCG, ऑटो, रियल एस्टेट और दूसरे सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।

ये बजट ऐसा है जिसमें कंजम्पशन लेड ग्रोथ यानी उपभोग के जरिए विकास को बढ़ावा दिया गया है। इसके लिए आपको एक छोटा सा अर्थशास्त्रीय सिद्धांत समझना होगा, जिसको कहते हैं virtuous cycle यानी सूचक्र। इसका सार यही है कि एक अच्छी चीज से दूसरी अच्छी चीज शुरू होती है।

इनकम टैक्स में बदलाव से लोगों के हाथ में अतिरिक्त पैसे आएंगे। अब इस पैसे का यदि आप एक हिस्सा भी खर्च करते हैं तो इससे कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने का मौका मिलेगा। उत्पादन बढ़ेगा तो रोजगार के मौके बनेंगे। रोजगार के मौके बनेंगे तो लोगों के हाथ में पैसे आएंगे। पैसे आएंगे तो मांग बढ़ेगी। इसी को अर्थशास्त्र में सूचक्र यानी virtuous cycle कहते हैं।

4. ओल्ड टैक्स रिजीम खत्म करने के संकेत

इस बार के बजट में पुराने टैक्स रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने इस बारे में संसद में कोई चर्चा भी नहीं की। पुराने टैक्स रिजीम में सेक्शन 80C के तहत छूट और बाकी डिडक्शन हैं, लेकिन आज के ऐलान के बाद न्यू टैक्स रिजीम ज्यादा प्रभावी लग रही है। ओल्ड टैक्स रिजीम को लिटरली मौत का इंजेक्शन दे दिया है।

जिन लोगों HRA वगैरह ज्यादा मिलता है, उनको ओल्ड टैक्स रिजीम में फायदा मिलेगा। वर्ना 98%-99% लोग न्यू टैक्स रिजीम में आ जाएंगे। आने वाले न्यू इनकम टैक्स बिल में ये हो सकता है कि पुराने टैक्स को खत्म करने के लिए कोई समय सीमा दे दी जाए। चाहे वो 2, 3 या 4 साल की हो। सरकार की मंशा साफ है कि टैक्स व्यवस्था एक ही होगी, वो भी न्यू टैक्स रिजीम।

5. इनकम टैक्स के अलावा भी दो बड़ी घोषणाएं- TDS और TCS

इनकम टैक्स के अलावा दो और महत्वपूर्ण घोषणाएं हुईं- TDS यानी Tax Deducted at Source और TCS यानी Tax Collected at Source।

धारा 194A के तहत सीनियर सिटिजन को पहले 50 हजार रुपए तक की इंट्रेस्ट इनकम पर TDS लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 1 लाख रुपए कर दिया गया है। वहीं, अन्य लोगों के लिए ये इंट्रेस्ट इनकम पर टैक्स 40,000 से बढ़ा कर 50,000 कर दिया गया है।

इसका मतलब ये हुआ कि TDS के जरिए जो पैसा चला जाया करता था और साथ ही साथ आपका इनकम टैक्स भले ही न बनता हो पर रिफंड पाने के लिए जो आप रिटर्न दाखिल करते थे। उसकी आपको जरूरत नहीं पड़ेगी। एक तरफ आपके लिए रिटर्न आसान हो गया और दूसरी तरफ आपके हाथ में पैसे आ जाएंगे।

6. सरकार ने कृषि को 'सेक्टर ऑफ फ्यूचर' माना, कई बड़े ऐलान किए

एग्रीकल्चर को लेकर सरकार ज्यादा फोकस कर रही है। इकोनॉमी सर्वे को देखा जाए तो एग्रीकल्चर को 'सेक्टर ऑफ द फ्यूचर' यानी भविष्य का क्षेत्र कहा गया है। सरकार ने दाल के लिए मिशन लॉन्च करने की बात कही है। ये बहुत जरूरी है, क्योंकि देश में दाल और सरसों तेल बड़े पैमाने पर इम्पोर्ट किए जाते हैं। आने वाले समय में किसान धान, गेहूं के बाद इन फैसलों की पैदावार बढ़ाने पर जोर देंगे।

इसके अलावा वित्त मंत्री ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत मिलने वाले लोन की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने का ऐलान किया है। इसका फायदा 7.7 करोड़ किसानों को मिलेगा।

7. बिहार में इस साल चुनाव, इसलिए बाकी राज्यों से ज्यादा मिला

बिहार के लिए बजट ज्यादा सुविधाजनक रहा है इसमें कोई शक नहीं है। बजट में बिहार के लिए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, पटना ।।T का विस्तार, मखाना के लिए अलग से बोर्ड बनाना और मिथिलांचल में बाढ़ से निपटने के लिए नई योजना का ऐलान किया गया है।

बिहार में कुछ महीने बाद विधानसभा के चुनाव होंगे। साथ ही केंद्र और राज्य में एक ही सरकार है, इस कारण पहले ही उम्मीद थी बिहार के लिए कुछ खास ऐलान हो सकता है।

8. पूंजीगत खर्च उम्मीद के मुताबिक नहीं, ये निराशाजनक

इस बार के बजट का फोकस 'कंजम्शन लेड ग्रोथ' है। इसलिए पूंजीगत खर्च में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं दिख रही है। ये विकास की जरूरतों के हिसाब से कम है। ऐसा लगता है कि सरकार ने ज्यादातर ध्यान ये दिया है कि अगर अभी खपत बढ़ जाएगी तो उससे आगे पूंजीगत खर्च बढ़ाने का रास्ता मिल जाएगा।

सारा संसार

वैकोम मंदिर केरल के कोट्टायम में स्थित है और नवंबर के महीने में अपने वैकोम अष्टमी समारोह के दौरान इस मंदिर का महत्व और बढ़ जाता है। इस मंदिर का निर्माण वर्ष 1594 में किया गया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस मंदिर में जो शिवलिंग स्थापित है वह त्रेता युग में स्थापित की गई थी।

सच्चे भक्त के प्रति प्रेम रखते हैं भगवान

संकलित
दर्शन

क्या तुम सचमुच भगवान को चाहते हो? क्या तुम सचमुच उनके दर्शन के लिए प्यासे हो? क्या तुममें सच्ची आध्यात्मिक भूख है? ये ऐसे आवश्यक प्रश्न हैं, जिनका तुम्हें अपने जीवन में प्रतिदिन उत्तर देना चाहिए। जो भगवान के दर्शन के लिए प्यासा है, उसके मन में भगवान के प्रति प्रेम उत्पन्न होगा। उसके लिए भगवान स्वयं प्रकट होंगे। यह आपूर्ति और मांग का प्रश्न है। यदि भगवान की सच्चे मन से मांग की जाए, तो आपूर्ति तुरंत आ जाएगी। प्रह्लाद की तरह निष्ठापूर्वक प्रार्थना करो। ऋषि वाल्मीकि, संत तुकाराम और भक्त तुलसीदास की तरह भगवान का नाम जपें। गौरांग महाप्रभु की तरह कीर्तन करो। भगवान से वियोग में मीरा की तरह एकांत में रोओ। तुम्हें भगवान के दर्शन इसी क्षण हो जाएंगे। कभी अपने आप को परखें। आत्मनिरीक्षण करें और भगवान के प्रति अपने प्रेम को विकसित करें। उनसे प्रार्थना करें। उनके लिए रोएं और रोएं। उनका नाम जपें और उनका नाम गाएं। वे अवश्य ही तुम्हें अपनी कृपा से आशीर्वाद देंगे। सच्चे भक्त पर भगवान की कृपा सदैव बनी रहती है। उसे बस अपने अंदर उनकी उपस्थिति को महसूस करना होता है। जो व्यक्ति हर घटना के पीछे भगवान का हाथ पहचानता है, बड़ी-से-बड़ी असफलताओं के बावजूद शांत रहता है और जो शांत रहता है, वही अंत में सफल होता है। भगवान हमेशा सच्चे भक्त के प्रति प्रेम रखते हैं। हमारे प्रति उनके असीम प्रेम के कारण ही जीवन जीने योग्य है।

अपनी इच्छाओं का दमन नहीं शमन करें

संकलित
प्रेरणा

जब आप इच्छा का निरीक्षण करते हैं, तब क्या आप किसी अजनबी की तरह उसे देखते हैं? या इच्छा उठने के साथ ही उसका निरीक्षण करते चलते हैं? ऐसा नहीं कि इच्छा करनेवाले व्यक्ति की इच्छा अलग है; इच्छा करनेवाला ही स्वयं इच्छा है। इच्छा हमारे जीवन की एक अत्यावश्यक प्राणभूत प्रेरणा है। हम इच्छा मात्र की बात कर रहे हैं, किसी विशिष्ट चीज को पाने की इच्छा के बारे में नहीं। सारे धर्मों ने कहा है कि यदि आप भगवान को पाना चाहते हैं तो इच्छा को वश में करना होगा, इच्छा को नष्ट करना होगा, इच्छा को नियंत्रित करना होगा। सारे धर्मों ने कहा है इच्छा के स्थान पर विचार द्वारा बनाई किसी प्रतिमा की स्थापना करो, यानी वास्तविक के स्थान पर काल्पनिक की स्थापना। इच्छा वास्तविक है, ज्वलंत है और लोग समझते हैं कि उसके स्थान पर किसी दूसरी चीज की स्थापना करने से उस पर काबू पा लिया जाएगा। या फिर आप उस व्यक्ति की शरण में चले जाते हैं, जिसे आप महात्मा, परमात्मा, गुरु मानते हैं। और ये सब विचार के ही क्रिया-कलाप हैं। सारे धार्मिक चिंतन का यही ढांचा रहा है। इच्छा की समग्र गतिविधि को समझना हमारे लिए आवश्यक है, क्योंकि स्पष्ट है कि वह न तो प्रेम है और न ही करुणा। प्रेम और करुणा की अपनी स्वयं की एक प्रज्ञा होती है; वह धूर्त विचार की बुद्धिमत्ता नहीं होती। अत इच्छा का स्वरूप क्या है तथा इच्छा हमारे जीवन में इतनी असाधारण भूमिका क्यों निभाती रही है, यह समझ लेना महत्वपूर्ण है।

बजट

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

मुफ्त योजनाएं बंदकर शिक्षा व स्वास्थ्य को करें निःशुल्क

केंद्रीय बजट आज वित्त मंत्री द्वारा पेश किया जाएगा। बजट में क्या राहत मिलने वाली है, इसे लेकर सभी वर्गों में उत्साह बना रहता है। गरीबों को विशेष सुविधा देने के बड़े-बड़े वादे बजट आते ही लुप्त हो जाते हैं। सामान्य वर्ग तो हमेशा ही छला जाता रहा है। बजट में आम जनता को उसकी उम्मीद के अनुसार लाभ क्यों नहीं मिल पाता, इस पर चिंतन की जरूरत है। देश के लगभग सभी प्रदेशों में सबसे निचले तबके को लुभाने और वोट बैंक को मजबूत करने के उद्देश्य से निःशुल्क योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन्हीं योजनाओं के कारण देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती चली जा रही है। यदि देश की शीर्ष राजनीति में काबिज लोग इस बात पर चिंतन करें तो आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाता जा सकता है। लोगों की शारीरिक शक्ति को इन्हीं योजनाओं ने जंग लगाना शुरू कर दिया है। इन्हें कर्मवीर बनाने की ओर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि फोकट का भोजन-कपड़ा, दाना-पानी पाने वाला वर्ग भी विकास में योगदान कर सके। समाज सेवा की नजर से देखा जाए तो देश की सरकार को बजट में ऐसे प्रावधान करने चाहिए जिससे न तो बेरोजगारी बढ़े और न ही लोगों को निः शुल्क योजनाओं के कारण अपनी शारीरिक शक्ति खोनी पड़े। इससे एक बड़ा लाभ यह होगा कि कल कारखानों की बंद पड़ी मशीनें फिर से घरघरा उठेंगी। प्रत्येक व्यक्ति की आय में इजाफा हो सकेगा। मानवीय जीवन की सबसे बड़ी विकास से जुड़ी सुविधा 'शिक्षा और स्वास्थ्य' को सभी वर्गों के लिए निःशुल्क घोषित कर देना चाहिए। वर्तमान में चल रही सभी निःशुल्क योजनाओं को बंद करने के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य में लगने वाला बजट शायद हमारे लिए आसान होगा। सभी लोग शिक्षित होकर नौकरी, पेशा अथवा उद्योगपति की श्रेणी में पहुंच सकेंगे जो विकास का मजबूत आधार होगा। सवाल यह भी उठ सकता है कि उम्र के अंतिम पड़ाव में पहुंच चुके ऐसे लोगों के लिए क्या किया जाए, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है ? इस संदर्भ में देश की सरकार को विशेष नियम बनाते हुए विभाग का गठन कर उनकी जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेना भी कोई कठिन काम नहीं होगा। देश के उद्योगपतियों और उच्च सेवा सहित व्यापारिक घरानों के अरबपतियों पर सरकार करों की दर बढ़ा भी दे तो उसे सालने वाला निर्णय नहीं माना जाना चाहिए। सभी क्षेत्रों में अनिवार्यतः शारीरिक श्रम की जरूरत पड़ती है। यह शारीरिक श्रम वर्तमान में घर बैठे सुविधाएं मिलने से बिना उत्पादन के नष्ट हो रहा है। इसे बचाने का प्रयास हर हाल में होना चाहिए। भारत का हर युवा जब खुद कमाने के लिए आगे आएगा और हर तरह के कार्य को करेगा तो दुनिया का कोई देश प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारतवर्ष का मुकाबला नहीं कर सकेगा। जब युवा भारत एक अच्छी बजट प्रणाली के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगा तो किसी भी क्षेत्र में श्रमवीरों की कमी नहीं होगी और यही श्रम देश को गौरवान्वित करेगा। सभी शिक्षित होंगे तो मेहनत से ही अपनी सुविधाएं जुटाने प्रयत्न कर सकेंगे। वित्त मंत्री से यही उम्मीद है कि वे ऐसे प्रावधान बजट में बनाएं जिससे जनता की ऊर्जा में वृद्धि हो और देश के विकास में उनकी योजनाएं कारगर हो सकें ।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

आज के समय में सनातन बोर्ड बेहद जरूरी

मीडिया की मानें तो दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ में एक नया मोड़ आ गया है। यहां पहुंचे संतों और महंतों ने एक साथ मिलकर सरकार से सनातन बोर्ड बनाने और वक्फ बोर्ड को खत्म करने की मांग कर दी। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के नेतृत्व में संतों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यह मांग रखी। उन्होंने कहा कि वे महाकुंभ छोड़कर तब तक नहीं जाएंगे जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मानती। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, जूना अखाड़े के महंत स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि, आनंद अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरि आदि सभी ने एक स्वर में सनातन बोर्ड गठन के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद की। अब सरकार के फैसले का इंतजार है। - सागर

ट्रेंड

'बेचारी' का उपयोग

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति को संदर्भित करने के लिए "बेचारी" वाक्यांश का उपयोग बेहद अपमानजनक है और सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय की गरिमा के लिए विपक्ष की निरंतर उपेक्षा को रेखांकित करता है।
-जे.पी. नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

ज़हरीला पानी बंद

दिल्लीवासियों को बहुत-बहुत बधाई। दिल्ली में जो ज़हरीला पानी भेजा जा रहा था, वो अब बंद हो गया। अगर हम आवाज नहीं उठाते और संघर्ष नहीं करते, तो आज दिल्ली की आधी आबादी को पानी नहीं मिल रहा होता। हमने दिल्ली को बहुत बड़े पानी के संकट से बचा लिया।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

अब होगा विकास

अब बहाने नहीं, सिर्फ विकास होगा! सत्ता भोगी 'आप' ने जनता को केवल झूठे वादों और बहानों से बहलाया, जबकि दिल्ली पानी के लिए तरसती रही, बारिश में डूबती रही, और बुनियादी सुविधाएँ बदहाल होती रहीं।
-बांसुरी स्वराज, भाजपा सांसद

प्रकृति की 'उड़ानें' सर्वोच्च

गरुड़ दस्ते का एक बाज, दुष्ट ड्रोनों का पीछा करने और उन्हें जाल में फंसाने के लिए प्रशिक्षित है। शायद यह हमें बताता है कि भले ही हम ऊंची उड़ान भरने में मदद के लिए नई तकनीकें विकसित कर रहे हैं, फिर भी प्रकृति की 'उड़ानें' सर्वोच्च रहेंगी !
-आनंद महिंद्रा, उद्योगपति

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

गाजा के पुनर्निर्माण में लग सकते हैं कई दशक

गाजा में एक साल से भी ज्यादा समय तक चली जंग अब थम चुकी है। इस जंग में ना सिर्फ गाजा की बड़ी आबादी मिट गई बल्कि शहर के शहर तबाह हो गए। गाजा के अधिकारियों के मुताबिक इस जंग में 45 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। वहीं यहां की 90 प्रतिशत आबादी को अपना घर छोड़कर जाना पड़ा।

युद्धविराम की घोषणा के बाद लोग वापस गाजा के उत्तरी इलाकों में लौटने लगे हैं लेकिन वहां उन्हें मलबे के अलावा कुछ नजर नहीं आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मिडिल ईस्ट के दूत स्टीव विटकॉफ ने बीते दिनों गाजा का दौरा किया। दौरे के बारे में बात करते हुए उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि गाजा में लगभग सब कुछ खत्म हो चुका है और युद्ध से तबाह हुए इस इलाके के पुनर्निर्माण में 10 से 15 साल लग सकते हैं। विटकॉफ ने एक्सियोस वेबसाइट को बताया, हम पांच सालों में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक ठोस योजना बना सकते हैं। लेकिन यह असंभव है। इसमें 10 से 15 साल लग सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, वहां कुछ भी नहीं बचा है। वहां चलना भी सुरक्षित नहीं है। यह बहुत खतरनाक है। मैं वहां जाकर निरीक्षण किए बिना यह नहीं जान पाता। विटकॉफ ने गाजा का दौरा करने के बाद बताया, लोग अपने घरों की ओर जा रहे हैं। वहां न तो पानी है और न ही बिजली।

ऑफ बीट

मनोकामना पूर्ण होने पर भूमिया देव को चढ़ाते हैं घंटियां

मासी का भूमिया मंदिर काफी प्राचीन है। यह मंदिर रामगंगा नदी के तट पर स्थित है। भूमिया देव इस पूरे क्षेत्र के रक्षक हैं। इस क्षेत्र में कोई भी शुभ कार्य होता है तो उसके लिए भूमिया देव का आशीर्वाद जरूर लिया जाता है।

मनोकामना पूरी होने पर लोग यहां पर घंटियां भी चढ़ाते हैं। यहां तक कि मासी सडक से निकलने वाली सारी गाड़ियां बिना भूमिया देव को भेंट चढ़ाए आगे नहीं बढ़ती हैं। ऐसी भी मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने से भूत-प्रेत की बाधा भी दूर हो जाती है। इस मंदिर परिसर में अन्य देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं, जिनमें भगवान गणेश जी, भगवान शिवजी और माता की मूर्तियां स्थित हैं। यह मंदिर भूमिया देवता का है और अल्मोड़ा जिले के मासी में स्थित है। रामनगर से मासी भूमिया मंदिर 100 किलोमीटर दूर है। चौखुटिया से इस मंदिर की दूरी करीब 13 किलोमीटर है। ऐसी भी मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने से भूत-प्रेत की बाधा भी दूर हो जाती है। इस मंदिर परिसर में अन्य देवी और देवताओं के भी मंदिर है, जिनमें गणेश जी, शिवजी और माता की मूर्तियां स्थित हैं। भूमिया देव को क्षेत्रपाल देवता के नाम से भी जाना जाता है। ये गांव, पशु और खेती के देव होते हैं, जिनकी पहाड़ों में बेहद मान्यता है। इस मंदिर की स्थापना कब हुई और यहां पूजा कब से हुई यह ठीक-ठीक बताना मुश्किल है, लेकिन इस मंदिर को काफी प्राचीन बताया जाता है।

हाथ से लिखकर RUHS नर्सिंग परीक्षा का पेपर लीक हुआ

-परीक्षा अनुभाग के सहायक रजिस्ट्रार के PA सहित दो कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। कमिश्नरेट की साइबर थाना पुलिस ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (RUHS) नर्सिंग सेमेस्टर इंटरनल परीक्षा का पेपर लीक करने और उसे छात्रों तक सप्लाई करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक RUHS परीक्षा अनुभाग के सहायक रजिस्ट्रार का PA और दूसरा नर्सिंग कॉलेज का कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हैं। साइबर थाना पुलिस इस परीक्षा में शामिल हुए 35 छात्रों को राउंडअप कर पूछताछ कर रही है। पुलिस को जानकारी मिली है कि आरोपियों ने 30 से 35 लोगों को पेपर बेचा था। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया- पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि RUHS से संबंधित नर्सिंग कॉलेजों की इंटरनल सेमेस्टर परीक्षा के पेपर की हाथ से लिखी प्रति कई छात्रों को मिली है। साइबर थाना पुलिस को इस संबंध में जांच के आदेश दिए गए थे। पेपर लीक की पुष्टि होने पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच की गई। इसकी पुष्टि होने पर मुख्य अपराधियों तक पहुंचने के लिए कई व्यक्तियों से पूछताछ की गई। तकनीकी इनपुट के आधार पर शुक्रवार शाम करीब चार बजे

जितेंद्र सिंह शेखावत

दीपक सिंह शेखावत

पेपर लीक करने वाले और लीक कर छात्रों को बेचने वालों को गिरफ्तार किया गया। छात्रों को मिलने वाले पेपर में जो सवाल आने वाले थे, उन्हें एक कागज पर हाथों से लिखा गया था। इसमें मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन (MCQs) शामिल नहीं थे। यह शिकायत केवल एक कॉलेज तक सीमित नहीं थी, बल्कि RUHS से संबद्ध कई नर्सिंग कॉलेजों से मिली थी।

इनकी हुई है गिरफ्तारी:- साइबर थाना पुलिस ने जांच के बाद जितेंद्र सिंह शेखावत निवासी अनुपम विहार, करणी विहार (जयपुर) को गिरफ्तार किया। जितेन्द्र RUHS के परीक्षा अनुभाग में सहायक रजिस्ट्रार के पीए के रूप में अनुबंधित कंप्यूटर ऑपरेटर था। आरोपी ने प्रश्न पत्रों के कुछ सवालों को हाथ से लिखा था। दोनों की गिरफ्तारी उनके घर से ही हुई है। पेपर को वायरल करने वाला दीपक सिंह शेखावत निवासी विराट नगर (जयपुर) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पिंक सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सिरसी रोड, जयपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। जितेंद्र सिंह से पेपर मिलने के बाद दीपक सिंह शेखावत ने नर्सिंग कॉलेज के छात्रों तक इसे पहुंचाया। कई छात्रों को पेपर बेचा था।

आज आरोपियों को कोर्ट में पेश करेंगे :- दोनों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। इस ऑपरेशन को गोपनीय रखा गया है। साइबर थाने के एएसआई भोजराज सिंह, हेड कॉन्स्टेबल जगदीश प्रसाद, संजय कुमार डांगी कॉन्स्टेबल भूप सिंह और धर्मेंद्र की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया था। यह है मामला RUHS के कार्यवाहक कुलपति डॉ. धनंजय अग्रवाल ने बताया था कि नर्सिंग कोर्स के फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड सेमेस्टर के एक-एक विषय की परीक्षा 23, 24 और 25 जनवरी को आयोजित करवाई गई थी। इनमें से 24 और 25 जनवरी को आयोजित परीक्षा की गोपनीयता भंग होने की शिकायत मिली थी। इस शिकायत के बाद प्राथमिक स्तर पर जांच करने पर सही पाए जाने के बाद हमने कमेटी का गठन करते हुए तीनों दिन की परीक्षा को रद्द कर दिया था। नर्सिंग डिग्री कोर्स के प्रथम सेमेस्टर का एनाटॉमी और साइकोलॉजी, सेकेंड सेमेस्टर का बायोकेमिस्ट्री, न्यूट्रिशन एंड डाइटिशियन का और तीसरे सेमेस्टर का माइक्रो बायोलॉजी एंड इंफेक्शन कंट्रोल इंक्लूडिंग सेफ्टी विषय का एग्जाम हुआ था। इन तीनों ही सेमेस्टर के तीनों विषयों के एग्जाम को कैंसिल कर दिया गया था।

सिंगर कमाक्षी खन्ना ने बिखेरा सुरों का जादू

-कैलाश खेर की परफॉर्मेंस के साथ तीन दिवसीय म्यूजिकल इवेंट का होगा समापन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। लिटरेचर फेस्टिवल के जयपुर म्यूजिक स्टेज पर दूसरे दिन की शुरुआत सिंगर कमाक्षी खन्ना की परफॉर्मेंस से हुई। उनकी सॉफ्ट मेलोडीज और दिल को छू लेने वाले लिरिक्स ने ऑडियंस को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके म्यूजिक में पॉप, आरएंडबी, सोल और फोक का अनूठा मेल देखने को मिला। संगीत प्रेमियों को देर शाम तक शानदार परफॉर्मेंस देखने को मिलीं। इसके बाद, मशहूर सिंगर सुशीला रमण ने परफॉर्म किया। उनके साथ गिटारिस्ट सैम मिल्स, 13वीं पीढ़ी के नगाड़ा वादक नाथू लाल सोलंकी और राजस्थान के फेमस फोक आर्टिस्ट चुग्गे खान भी स्टेज पर नजर आए। इन सभी आर्टिस्ट्स ने इंडियन क्लासिकल, सूफी और लोक संगीत के साथ इंटरनेशनल धुनों का शानदार फ्यूजन पेश किया, जिसने ऑडियंस को झूमने पर मजबूर कर दिया। होटल क्लार्क्स आमेर में हो रहे इस तीन दिवसीय इवेंट में हर शाम अलग-अलग आर्टिस्ट्स परफॉर्म कर रहे हैं। जयपुर म्यूजिक स्टेज के आखिरी दिन यानी शनिवार की शाम फेमस सिंगर कैलाश खेर अपनी परफॉर्मेंस से इस इवेंट को समेटेंगे। उनके आने से इस तीन दिवसीय म्यूजिक फेस्टिवल का समापन और भी धमाकेदार होने की उम्मीद है। जयपुर म्यूजिक स्टेज ने इस बार भी बड़ी संख्या में म्यूजिक लवर्स को आकर्षित किया, जो इन लाइव परफॉर्मेंस का भरपूर आनंद लेते नजर आए।

राजकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग ट्यूटर(शिक्षक) हुए सम्मानित

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जयपुर से संबद्ध राजकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के शिक्षक और क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट अब्दुल नासिर खान को उनके उत्कर्ष कार्य, ईमानदाराना आचरण और व्यवहार व नर्सिंग शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग के लिए गणतंत्र दिवस पर एसएमएस कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी साहब ने सम्मानित कर दक्षता प्रमाण पत्र प्रदान किया। डॉ. दीपक माहेश्वरी साहब ने खान को इसी तरह अपने योगदान को बराबर छात्र /छात्राओं के हित में करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके कामों की प्रशंसा की। राजकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्य डॉ. जोगेंद्र शर्मा जी ने भी उनको कॉलेज प्रांगण में समस्त शिक्षकगणों और छात्र/छात्राओं के बीच खान के कार्यों को सराहा गया और अपने योगदान को इसी तरह करते रहने की हिदायत की और उनकी प्रशंसा की। खान अपने कामों को भविष्य में भी इसी ईमानदारी से करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे । खान को समस्त शिक्षकगणों ने उनके इस सम्मान के लिए बधाई दी

कानोता कैंप में होगा जयपुर बर्ड फेस्टिवल

-ग्रीन पीपल सोसाइटी आयोजित करवा रही परिंदों का मेला कार्यक्रम

-कई प्रजाति दिखाई देगी इस मेले में पक्षियों की

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में हो रहे बर्ड फेस्टिवल की श्रृंखला में पहली बार ग्रीन पीपल सोसाइटी शनिवार को जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2025 का आयोजन कर रही हैं। इस बर्ड फेस्टिवल में बच्चे, बूढ़े और जवान परिंदों की रंगीन दुनिया से रूबरू होंगे। इसके सफल आयोजन के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। प्रदेशभर के पक्षी प्रेमी और विशेषज्ञ कानोता पहुंच चुके हैं। फेस्टिवल संयोजक रिटायर्ड आईएएस विक्रम सिंह ने बताया कि जामडोली के पास कानोता कैंप में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल में लगभग 500 विद्यार्थियों, शिक्षकों व बर्ड प्रेमियों के लिए विभिन्न गतिविधिया आयोजित की जाएंगी। वन विभाग, पर्यटन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, रीको तथा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित होने वाले इस बर्ड फेस्टिवल में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत संभागियों व विद्यार्थियों का पंजीकरण किया जाएगा और विद्यार्थियों को विद्यार्थी किट,अल्पाहार, पक्षी पहचान पुस्तिका, कार्डबोर्ड नेस्ट, डीआईवाय किट व टोपी का वितरण किया जाएगा। इसके

बाद पक्षी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में स्पॉटिंग स्कोप एवं दूरबीन के माध्यम से बर्ड वॉचिंग करवाई जाएगी। साथ ही पेंटिंग व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पक्षी चित्रों पर डाक टिकटों की प्रदर्शनी, पक्षियों पर समूह चर्चा, आर्द्रभूमियों पर सम्मेलन-कार्यशाला आदि का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षक, स्कूल शिक्षक, गैर सरकारी संगठनों को सशक्त बनाने के लिए उनके प्रशिक्षण हेतु एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी जिसमें मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर बेंगलुरु स्थित विशेष संगठन अली बर्ड द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। बर्ड फेस्टिवल में गुजरात से एमके रणजीत सिंह, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के चीफ रवि सिंह, असद रहमानी, ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष व एनटीसीए मेंबर राहुल भटनागर सहित देश-प्रदेश के पर्यावरण व पक्षी विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया जाएगा।

वेटलैंड्स पर कार्यशाला व फील्ड विजिट का रहेगा आकर्षण:- प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को वेटलैंड्स पर कार्यशाला-सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें वन एवं पर्यावरण, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जल संसाधन, पर्यटन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम और बैंकों आदि के वरिष्ठ अधिकारी, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के प्रतिनिधि, चयनित गैर सरकारी संगठन, विशेषज्ञ और भाग लेंगे। चिकित्सकों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से विचार-विमर्श में भाग लेने की उम्मीद है। वहीं प्रशिक्षकों और संसाधन व्यक्तियों के लिए टीओटी-कार्यशाला का आयोजन होगा जिसमें पक्षियों और उनके आवास आदि के विभिन्न पहलुओं पर बेंगलुरु स्थित एक विशेषज्ञ संगठन 'अर्ली बर्ड' द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

JLF में BCCI पर उठे सवाल

-नंदन कामथ बोले- 'खिलाड़ी भारत के लिए नहीं, बीसीसीआई के लिए खेलते हैं'

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। लिटरेचर फेस्टिवल के तीसरे दिन "द स्पिरिट ऑफ द गेम" सेशन में खेल प्रशासन, खिलाड़ियों के अधिकारों और खेलों में सुधार को लेकर तीखी चर्चाएं हुई। पैनल में शामिल पैरालिंपियन दीपा मलिक, खेल कानून विशेषज्ञ लॉयर नंदन कामथ और एक्टर-स्पोर्ट्स एंबेसडर राहुल बोस ने खेलों के प्रति नीतिगत रवैये और व्यवस्थागत खामियों पर खुलकर विचार रखे।

BCCI की सोच चले तो धोनी को हेलिकॉप्टर शॉट का पेटेंट मिल जाए - नंदन कामथ:- सेशन के दौरान नंदन कामथ ने भारतीय खेल स्ट्रक्चर और खिलाड़ियों के अधिकारों पर बात करते हुए कहा कि खेल सिर्फ एक मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सार्वजनिक संपत्ति है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा- अगर बीसीसीआई की सोच चले, तो एमएस धोनी को हेलिकॉप्टर शॉट का पेटेंट लेने की इजाजत मिल जानी चाहिए, क्योंकि वे इसे करने वाले पहले खिलाड़ी थे।" उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम भारत के लिए नहीं, बल्कि बीसीसीआई के लिए खेलती है। सुप्रीम कोर्ट में बीसीसीआई का रूख यह दिखाता है कि संस्था खिलाड़ियों को नियंत्रित करना चाहती है। नंदन कामथ ने खेलों में एक मजबूत गवर्नेंस सिस्टम की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि भारत में कई खेल ऐसे हैं जिनमें हम अभी भी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा तक नहीं पहुंच पाए हैं। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि खेलों को स्कूल एजुकेशन में अनिवार्य किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा मेडल देश में आ सकें।

"सरकारी नीतियों की सीमाएं थीं, हाईकोर्ट तक जाना पड़ा"- दीपा मलिक:- पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट दीपा मलिक ने अपने संघर्षों और पैरालिंपिक खेलों में सुधारों पर बात की। उन्होंने बताया कि जब उन्हें 2015 में टार्गेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम (TOPS) में शामिल किया गया, तभी उनके करियर में बड़ा बदलाव आया। इस स्कीम के तहत उन्हें प्रोफेशनल ट्रेनिंग और सपोर्ट मिला, लेकिन सरकारी नीतियों की कुछ सीमाएं थीं, जिसके कारण उन्हें अपने बायोमैकेनिक ट्रेनर को हायर करने के लिए हाई कोर्ट तक जाना पड़ा। उन्होंने पैरालिंपिक खेलों के बढ़ते कद पर बात करते हुए बताया कि 1968 से 2016 तक भारत ने सिर्फ 12 मेडल जीते थे, जबकि 2021 पैरालंपिक में यह संख्या 48 हो गई। उन्होंने TOPS स्कीम का नाम बदलने की मांग की ताकि यह केवल "ओलिंपिक" तक सीमित नहीं रहे, बल्कि "टार्गेट ओलिंपिक और पैरालिंपिक पोडियम स्कीम" बनकर समावेशिता को दर्शाए।

"महिला खिलाड़ी घर में सबसे बाद में खाती हैं, इससे न्यूट्रिशन प्रभावित होता है"- राहुल बोस:- राहुल बोस ने खेलों में न्यूट्रिशन और सही प्लानिंग की कमी को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि कई छोटे शहरों और गांवों में खिलाड़ी सही डाइट तक नहीं ले पाते। "जब मैंने नेशनल लेवल की महिला खिलाड़ियों से उनकी डाइट के बारे में पूछा, तो शुरुआत में कोई खुलकर कुछ नहीं बोला, लेकिन बाद में पता चला कि कई महिला खिलाड़ी अपने घर में सबसे बाद में खाती हैं, जिससे उनका पोषण प्रभावित होता है।" उन्होंने खेल संघों की जवाबदेही पर भी सवाल उठाया और कहा कि फेडरेशन को पूरी आजादी चाहिए, लेकिन उनके ऊपर जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। खेल संघों का काम केवल खिलाड़ियों को अवसर देना है, न कि गरीबी दूर करना या सामाजिक सुधार करना।

खेलों की सफलता सिर्फ मेडल से नहीं, 'तीन एफ' – फन, फ्रेंड्स और फिटनेस से मापी जाए:- नंदन कामथ ने खेलों के इकोसिस्टम और व्यापक प्रभाव पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत में 75% युवा पर्याप्त रूप से शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि खेलों की सफलता को केवल ओलिंपिक और पैरालिंपिक मेडल सूची से नहीं आंका जाना चाहिए। "हमें खेलों का रिपोर्ट कार्ड 'तीन एफ'-फन, फ्रेंड्स और फिटनेस के आधार पर मापना चाहिए। यानी ज्यादा से ज्यादा भारतीय खेलों से जुड़ें, इससे आनंद लें, दोस्त बनाएं और फिट रहें। राहुल बोस ने खेल संरचना के भविष्य पर बात करते हुए कहा कि अगले 10 सालों में खेलों की दिशा ज्यादा स्पष्ट और संगठित होगी। उन्होंने कहा कि हर खेल के लिए इंडिविजुअल लीग मॉडल काम नहीं करता और कई लीग गलत फाइनेंशियल प्लानिंग की वजह से फेल हुई हैं। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के इस सेशन में खेल प्रशासन, खिलाड़ियों के अधिकार और नीति-निर्माण से जुड़े कई अहम मुद्दे उठे। पैनलिस्टों ने स्पष्ट किया कि खेलों में सुधार केवल सुविधाएं बढ़ाने से नहीं, बल्कि सोच और नीति में बदलाव लाने से होगा। "द स्पिरिट ऑफ द गेम" सेशन में खेल जगत से जुड़ी हस्तियों में नंदन कामथ, दीपा मलिक और राहुल बोस ने हिस्सा लिया।

गरीबों के हमदर्द सुरेश चंद सेन पवार ने मनाया अपनों के साथ जन्मदिन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर की ऐसी संस्था जिसको सारा राजस्थान मानता है अपना। श्री मानव सेवा संस्थान सांगानेर के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंद्रसेन पंवार ने अपनो के संग कच्ची बस्तियों में जाकर खाना वितरण कर गरीब बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन। बच्चों को मिठाईयां बिस्किट बांट कर कमाया पुण्य। राजस्थान के हर जिलों से बधाईयां देने का सिलसिला मध्य रात्रि तक लगा रहा। संस्था के कार्यकर्ताओं के द्वारा गीतांजलि होटल में शानदार पार्टी का प्रोग्राम रखा गया है। जिसमें सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सरना, दिशा संदेश मीडिया के चीफ एडिटर विकास डाबरा, पत्रकार चंद्रभान सक्सेना, पूनम, पवन शर्मा, सत्यनारायण चंदा एडवोकेट, दीपक कुमार डुलानी, समाज सेवी पवन ऐंचारा, हंगामा न्यूज़ के संपादक गणेश काला, समाजसेवी महेंद्र सिंह राठौड़, दीपक पडिहार, वीरेंद्र सेन नारोली, मुकेश भदादा, डॉक्टर हंसराज बेरवा, प्रेमचंद बेरवा, लखन डायरेक्टर माधव ग्रुप, लक्ष्मी नारायण सेन, रजनीश चौधरी, शुभम सिंह, रोहिताश सोनी, ऋतुराज अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अतुल गुप्ता, कजोड बेरवा, रितु सिंह, आशा वर्मा, दिव्यांशी शर्मा,और संस्था के सभी कार्यकर्ता एवं सभी मित्रगण उपस्थित रहे

जयपुर में लोगों ने RTO इंस्पेक्टर को पीटा

-ट्रक और ट्रेलर की टक्कर के बाद ड्राइवर को बचाया था, थोड़ी देर बाद भड़के लोगों ने की पिटाई

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। दिल्ली-अजमेर हाईवे पर उड़नदस्ते में तैनात आरटीओ इंस्पेक्टर की शनिवार सुबह लोगों ने पिटाई कर दी। लोगों का आरोप था कि उड़नदस्ते के ट्रक को रोकने के दौरान हाईवे पर हादसा हुआ। ट्रक को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। जबकि मारपीट से पहले आरटीओ इंस्पेक्टर ने ही लोगों की मदद से ट्रेलर के केबिन में फंसे ड्राइवर को बाहर निकालकर हॉस्पिटल में एडमिट करवाया था। SHO (विश्वकर्मा) राजेन्द्र कुमार ने बताया- विश्वकर्मा आकेड़ा गांव स्थित सांखला ढाबा रेस्टोरेंट के पास हाईवे किनारे आरटीओ का उड़नदस्ता तैनात था। उड़नदस्ता में तैनात पुलिसकर्मी वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। सुबह करीब 11 बजे एक ट्रेलर को सड़क किनारे खड़ा करवाकर चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान उड़नदस्ते से कुछ दूरी पर ही एक ट्रक में कार केरियर ट्रेलर जा घुसा। टक्कर लगने से केबिन में ट्रेलर ड्राइवर फंस गया।

ड्राइवर को करवाया एडमिट:- आरटीओ इंस्पेक्टर विजेंद जांगिड़ ने एक्सीडेंट होने पर लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हाईवे से जा रहे एक ट्रेलर को रुकवाकर रस्सी ली गई। लोगों की मदद से आरटीओ इंस्पेक्टर विजेंद्र जांगिड़ ने कार केरियर ट्रेलर के घायल ड्राइवर सरजीत (36) निवासी सवाई माधोपुर को बाहर निकाला। साथी पुलिसकर्मियों की मदद से घायल ड्राइवर को प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। पैर में फैक्चर होने के चलते सरजीत का इलाज किया जा रहा है।

हुड़दंगियों ने मारा :- एक्सीडेंट होने के चलते हाईवे पर जाम लग गया। आरटीओ जाब्ते की ओर से विश्वकर्मा थाना पुलिस को हाईवे पर जाम की सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कुछ हुड़दंगी मौके पर इकट्ठा हो गए। जिन्होंने वहां मौजूद पब्लिक को भी आरटीओ इंस्पेक्टर से मारपीट करने के लिए उकसाया। आरोप था कि चैकिंग के दौरान अचानक उड़नदस्ते पर तैनात पुलिसकर्मियों ने ट्रेलर को हाथ देकर रुकवाया। इसके चलते पीछे आ रहे ट्रक में कार केरियर ट्रेलर जा घुसा। आरोप लगाया- आरटीओ की गलती के चलते ही एक्सीडेंट हुआ है। हुड़दंगियों ने आरटीओ इंस्पेक्टर विजेंद्र जांगिड़ के साथ मारपीट कर डाली। पुलिस के पहुंचने से पहले हुड़दंगी वहां से फरार हो गए। विश्वकर्मा थान पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाधित ट्रैफिक को चालू करवाया।

जयपुर में कॉमर्शियल सिलेंडर 6.50 रुपए सस्ता

-इस साल में दूसरी बार कीमतों में कमी

- बाजार में 1825 रुपए में सिलेंडर

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। तेल-गैस कंपनियों ने आज एलपीजी की कीमतों में बदलाव करते हुए कॉमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को मामूली राहत दी है। कंपनियों ने बीती रात कॉमर्शियल उपयोग के सिलेंडर पर 6.50 रुपए की कटौती की है। इस साल लगातार दूसरे महीने कीमतों में कटौती की है। राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया- कंपनियों की ओर से जारी रेट लिस्ट में आज से राजस्थान में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 6.50 रुपए कम किए हैं। इस कटौती के बाद आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर बाजार में 1831.50 रुपए की जगह 1825 रुपए में मिलेगा। इससे पहले कंपनियों ने इसी साल जनवरी में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 14.50 रुपए की कटौती की थी।

घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं:- कंपनियों ने घरेलू उपयोग के सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। वर्तमान में बाजार में घरेलू उपयोग का सिलेंडर 806.50 रुपए में ही मिलेगा। वहीं राज्य सरकार की ओर से बीपीएल और उज्जवला कनेक्शधारियों को रियायती दर पर 450 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। बता दें कि राजस्थान में तीनों तेल गैस कंपनियों के 1 करोड़ 75 लाख 48 हजार से ज्यादा उपभोक्ता हैं।

हाईकोर्ट ने निगम कमिश्नर सहित डीसीपी ट्रैफिक से मांगा जवाब

-कहा- सफाई, अतिक्रमण, ट्रैफिक व पार्किंग में सुधार के लिए क्या किया

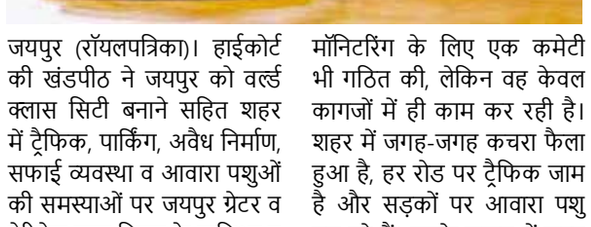

जयपुर (रॉयलपत्रिका)। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जयपुर को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने सहित शहर में ट्रैफिक, पार्किंग, अवैध निर्माण, सफाई व्यवस्था व आवारा पशुओं की समस्याओं पर जयपुर ग्रेटर व हेरिटेज नगर निगम के कमिश्नर व डीसीपी ट्रैफिक को 10 फरवरी को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने का निर्देश दिया है। वहीं अदालत ने इनसे पूछा है उन्होंने शहर की इन समस्याओं के निस्तारण के लिए क्या कार्रवाई की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह निर्देश जयपुर को वर्ल्ड क्लास हेरिटेज सिटी बनाए जाने से जुड़े प्रसंज्ञान मामले में शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान मामले से जुड़े अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने बताया कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट से हाईकोर्ट के पास रिमांड होकर मॉनिटरिंग के लिए आया था। हाईकोर्ट ने इन समस्याओं की मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी भी गठित की, लेकिन वह केवल कागजों में ही काम कर रही है। शहर में जगह-जगह कचरा फैला हुआ है, हर रोड पर ट्रैफिक जाम है और सड़कों पर आवारा पशु घूम रहे हैं। इसके जवाब में राज्य सरकार ने कहा कि इन सभी मुद्दों को लेकर कार्रवाई हो रही है और इनका निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। जिस पर अदालत ने ग्रेटर व हेरिटेज निगम सहित डीसीपी ट्रैफिक को आगामी सुनवाई पर उपस्थित होकर उन्हें इस संबंध में की गई कार्रवाई का ब्यौरा देने के लिए कहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर नगर निगम बनाम लेखराज सोनी मामले का 31 अक्टूबर 2014 को निपटारा करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट को जयपुर को वर्ल्ड क्लास हेरिटेज सिटी बनाने के इस मुद्दे पर पीआईएल दर्ज करने के लिए कहा था।

पीएम सूर्यघर योजना को लेकर कलेक्टर सख्त

-शिविर लगाकर ज्यादा से ज्यादा आवेदन लेने के निर्देश, कहा-सरकारी कर्मचारियों को भी प्रेरित करें

बूंदी(रॉयल पत्रिका)। बूंदी जिले के हिंडोली पंचायत समिति सभागार में जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और विकास कार्यों की समीक्षा की।कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर योजना को लेकर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर लगाकर अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त किए जाएं। साथ ही सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को भी अपने घरों पर सौर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित करें। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत बड़ानया गांव, गुढ़ा, काछोला, खेरखटा, मांगली, मेंडी, नेगढ़, ओवण, पगारा, पेच की बावड़ी और विजयगढ़ में स्वीकृत कार्यों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर शुरू करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सड़क कटिंग के बाद मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने सरकारी स्कूलों, सीएचसी और पीएचसी में पेयजल और शौचालय की सुविधाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अपने क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के तहत हुए कार्यों के बिल जल्द भिजवाएं, ताकि जल्द से जल्द उनका भुगतान किया जा सके। हिंडोली में बनाए जा रहे खेल मैदान के संबंध में खेल अधिकारी और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी कार्यों की गुणवत्ता के लिए निर्धारित मापदण्डोंक का सत्यापन करना सुनिश्चित करें। उन्होंगने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी, सीएचसी, स्कूडलों में एसडीआरएफ और अन्यश निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की मॉनिटरिंग संबंधित उपखंड अधिकारियों द्वारा की जाए। साथ ही बिल भुगतान के लिए प्रस्तूत करते समय संबंधित संस्थान के प्रभारी के हस्ताकक्षर कर भिजवाए जाएं। उन्होंथने निर्देश दिए कि बड़े स्कूल जहां अतिरिक्ती शौचालय की जरूरत है, उसकी मांग भिजवाई जाए। साथ ही आयुर्वेद भवन, ग्राम पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, चिकित्सार संस्था न शौचालय से वंचित नहीं रहें। इसके लिए विकास अधिकारी और संबंधित अधिकारी बैठक लेकर इसकी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देश दिए कि गैर खातेदारी से खातेदारी अधिकार के प्रकरणों का निस्तारण करें और राजस्व वसूली के कार्य को भी गति प्रदान की जाए। श्मशान और कब्रिस्तान के प्रस्ताव बनवाकर भिजवाएं।उन्होंने निर्देश दिए कि सभी राजकार्य सॉफ्टवेयर पर ही संपादित हो, इसकी पूर्ण सुनिश्चितता की जाए। इसके अलावा राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का निर्धारित समय पर समाधान किया जाए।उन्होंनने निर्देश दिए कि आगामी 5 फरवरी से गांवों में फार्मर रजिस्ट्री शिविर का आयोजन किया जाएगा। इनमें मंगला पशु बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पशु टीकाकारण, पशु चिकित्साट इलाज आदि कार्य होंगे, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं में प्रति ग्राम पंचायत कम से कम 50 कार्य स्वीकृत किए जाएं। जिला कलेक्टनर ने निर्देश दिए कि आगामी ग्रीष्मो ऋतु के दृष्टिगत पेयजल संबंधी व्य वस्थाकओं के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दें। साथ ही टैंकरों से सप्लारई किए जाने वाले पानी की गुणवत्ता सही रहे, यह भी अभी से सुनिश्चित कर लिया जाए। उन्हों ने कहा कि कोई भी गांव श्मशान से वंचित नहीं रहे। साथ ही कचरा संग्रहण केन्द्रअ के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताटव भिजवाएं। भूमि अवाप्ति के प्रकरणों के निस्ताहरण में प्रगति लाई जाए। कृषि उपज मंडी में फसल खरीद की सभी तैयारियां रखें। आगामी दिनों में अटल सेवा केन्द्रों पर आयोजित किए जाने वाले शिविर को लेकर चिकित्साक विभाग, विद्त विभाग, जिला परिषद, पशुपालन विभाग द्वारा तैयारी रखी जाएं। साथ ही इन शिविरों में संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में अधिकाधिक आवेदन लिए जाएं, ताकि जरूरतमंद को इसका लाभ मिल सके और पशुपालकों को आर्थिक सम्बयल मिल सके। उन्होंठने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बूंदी और हिंडोली में हेलीपेड के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताोव भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंधने कहा कि फसल कटाई के बाद पत्थ र गढी के प्रकरणों के निस्तारण के लिए सभी तैयारी रखें, ताकि प्रकरणों का निस्तानरण करवाया जा सके। इस दौरान मिनी सचिवालय, रामसागर झील, ओपन जिम, पीएम आवास योजना, बजट घोषणा आदि कार्यों की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए। उन्हों ने निर्देश दिए कि टीबी मुक्ती भारत अभियान के तहत अधिकाधिक सैम्पल लिए जाएं। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखंड अधिकारी हिंडोली शिवराज मीणा, तहसीलदार कमलेश मीणा, सीएमएचओ डॉ. ओपी सामर, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता इन्द्रहजीत मीणा, नरेगा के अधिशाषी अभियंता प्रियव्रत सिंह, विकास अधिकारी पीयूष कुमार जैन, स्व च्छभ भारत मिशन के जिला समन्वायक निजामुद्दीन और सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

RAS परीक्षा 2 फरवरी को, तैयारियां पूरी

-बूंदी में 30 केंद्रों पर 9373 अभ्यर्थी देंगे प्रारंभिक परीक्षा, 5 फ्लाइंग स्क्वायड करेंगी निगरानी

बूंदी(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा बूंदी जिला मुख्यालय, तालेड़ा और हिंडोली उपखंड मुख्यालय में स्थित 30 परीक्षा केंद्रों पर कुल 9 हजार 373 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा समन्वयक और अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदर्शन सिंह तोमर के अनुसार 17 सरकारी और 13 निजी परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। सरकारी केंद्रों पर एक-एक और निजी केंद्रों पर दो-दो पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए 5 फ्लाइंग स्क्वायड टीमें गठित की गई हैं और सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है। परीक्षार्थियों को ई-प्रवेश पत्र, नवीनतम फोटोग्राफ और मूल फोटो पहचान पत्र के साथ केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले तक ही केंद्र में प्रवेश मिलेगा। उत्तर लिखने के लिए केवल नीली स्याही का पारदर्शी बॉल पेन ही काम में ले सकेंगे। आयोग ने प्रोविजनल ई-प्रवेश पत्र अपनी वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। 30 जनवरी को केंद्राधीक्षक, उपसमन्वयक दल और पर्यवेक्षकों की आमुखीकरण बैठक गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल बूंदी में आयोजित की गई, जिसमें अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश राठौर ने परीक्षा संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। परीक्षा के लिए जिला स्तर पर एक नियंत्रण कक्ष कमरा नं. 34 कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थापित किया गया है, जिसके प्रभारी संजय कुमार गुप्ता, व्याख्याता, महात्मा गांधी गांधी गवर्नमेंट स्कूल बालचन्दपाडा बूंदी मोबाइ नंबर 9413087840 है। कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 0747-2940097 है। नियंत्रण कक्ष 31 जनवरी को सवेरे 09.30 शुरू हो चुका है, जो 1 फरवरी को शाम 5:00 बजे तक और परीक्षा 2 फरवरी को सवेरे 10 बजे से परीक्षा समाप्ति तक कार्य करेगा।

महाकुंभ से लौट रहे कोटा के हेड कॉन्स्टेबल की मौत

-बीपी बढ़ने से दिमाग की नस फटी, दो दिन बाद ब्रेन हेमरेज

कोटा(रॉयल पत्रिका)। महाकुंभ से लौट रहे कोटा के हेड कॉन्स्टेबल की बीच रास्ते में मौत हो गई। बीपी बढ़ने से दिमाग की नस फटने से उन्हें ब्रेन हेमरेज हो गया। कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। हेड कॉन्स्टेबल इंद्रजीत सिंह वर्मा (56) वर्तमान में कोटा पुलिस लाइन में तैनात थे। उनके बेटे हेमंत ने बताया- पिता 27 जनवरी से तीन दिन की छुट्टी पर थे। 27 जनवरी को मम्मी, बुआ और रिश्तेदारों के साथ महाकुंभ में गए थे।

ट्रेन में बिगड़ी थी तबीयत:- 29 जनवरी को महाकुंभ से लौट रहे थे। ट्रेन के कटनी पहुंचने से 40 किमी पहले उनकी तबीयत बिगड़ गई। बीपी की शिकायत होने पर परिजनों ने उन्हें संभाला। रात को जैसे ही कोटा पहुंचे उन्हें निजी हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टर ने चेक करके बीपी की वजह से दिमाग की नस फटना बताया। पिछले दो दिन से उनका निजी इलाज चल रहा था। आज सुबह उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने ब्रेन हेमरेज के कारण मौत होना बताया। उनके तीन बेटे और एक बेटी है। जवाहर नगर थाना हेड कॉन्स्टेबल राजू लाल ने बताया- इंद्रजीत उद्योगनगर इलाके में डीसीएम इलाके में रहते थे। साल 1989 से पुलिस में थे। एमबीएस हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है।

बारां में पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

-शेरगढ़ किला, बिलासगढ़ सहित कई स्थलों का होगा विकास, इको टूरिज्म पर विशेष फोकस

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई। जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पर्यटन विकास से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। कलेक्टर ने शाहाबाद किला, शेरगढ़ किला और अभयारण्य, सोरसन, बिलासगढ़ और रामगढ़ क्रेटर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा की। इको टूरिज्म को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया, जिसके तहत प्राकृतिक स्थलों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से विकसित किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वॉच टावर और वन क्षेत्र में पुलिया की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी। पर्यटन स्थलों पर साइन बोर्ड लगाए जाएंगे और जरूरत के अनुसार डस्टबिन की व्यवस्था की जाएगी। बिलासगढ़ में प्राचीन मूर्तियों और धरोहरों के संरक्षण के लिए एक संग्रहालय का निर्माण किया जाए गा। शेरगढ़ किले और अभयारण्य में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। वन विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी। बजट 2025-26 के लिए नए प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। जिसमें बुनियादी ढांचे के विकास, प्रचार-प्रसार और निजी निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही खाद्य कला संस्थान, बारां के विकास के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा। बैठक में शाहाबाद एडीएम जबर सिंह, सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, जिला पर्यटन अधिकारी सिराज कुरैशी, डीएफओ अनिल यादव, डीएफओ अनिल चौधरी, खाद्य कला संस्थान ओएसडी रजनी कुमारी, एसीएफ नवनीत शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अजमेर दरगाह में 4 को मनाएंगे बसंत, शाही कव्वाल सूफियाना कलाम करेंगे पेश

अजमेर(रॉयल पत्रिका)। अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में 4 फरवरी को बसंत पेश किया जाएगा। शाही कव्वाल असरार हुसैन की पार्टी के कव्वाल सूफियाना कलाम पेश करेंगे। जुलूस सुबह करीब 10 बजे दरगाह के निजाम गेट से रवाना होगा। इसमें दरगाह दीवान सैयद जैनुअल आबेदीन अली के बेटे सैयद नसरुद्दीन चिश्ती और खुद्दाम-ए-ख्वाजा साथ रहेंगे। शाही कव्वाल और उनके साथी हाथों में फूलों का गुलदस्ता लिए साथ चलेंगे। शाही कव्वाल आज बसंत मना ले सुहागिन... ख्वाजा मोइनुद्दीन के दर आती है बसंत... और अन्य कलाम पेश करेंगे। जुलूस बुलंद दरवाजा, शाहजहांनी गेट होते हुए अहाता-ए- नूर पहुंचेगा। यहां से शाही कव्वाल आस्ताना शरीफ पहुंचेंगे और गरीब नवाज की मजार शरीफ पर फूलों का गुलदस्ता पेश करेंगे।

ऐसे शुरू हुई परंपरा:- बताया जाता है कि हजरत निजामुद्दीन औलिया अपने भांजे तकीउद्दीन नूह का इंतकाल होने के बाद उदास रहने लगे थे। उनके चेहरे पर खुशी लाने के लिए एक दिन हजरत अमीर खुसरो ने अपने लफ्जों से सजी बसंत पेश की। तबसे सूफी संतों की दरगाह में बसंत पेश किए जाने का सिलसिला शुरू हो गया। ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में बसंत की परंपरा कई वर्षों से जारी है।

कोटा में पढ़ते समय 10वीं के छात्र को हार्ट-अटैक, मौत

-जोर से चीख निकली और बिस्तर पर गिर गया, CPR देने के बाद भी नहीं बचा

कोटा(रॉयल पत्रिका)। मोबाइल पर पढ़ते-पढ़ते 10वीं के छात्र ने अचानक दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि पढ़ते समय उसके मुंह से चीख निकली और वो नीचे गिर गया। उसे हॉस्पिटल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। डॉक्टर हार्ट अटैक से मौत मान रहे हैं। गुरुवार रात कोटा के महावीर नगर इलाके का मामला है। शुक्रवार को परिवार वाले बिना पोस्टमॉर्टम ही शव ले गए। भीलवाड़ा का रहने वाला था, कोटा में कर रहा था पढ़ाई महावीर नगर थाना सीआई रमेश कविया ने बताया कि केशव (16) पुत्र राजेश चौधरी अपनी मां और बड़े भाई के साथ परिजात कॉलोनी में रह रहा था। वह मूलरूप से भीलवाड़ा की आरसी व्यास के सेक्टर 7 का रहने वाला था। बड़ा भाई आदित्य चौधरी जेईई की कोचिंग कर रहा है, जबकि केशव दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS) में पढ़ता था। गुरुवार रात दोनों भाई पढ़ाई कर रहे थे। छोटे भाई की तबीयत बिगड़ गई। शुक्रवार सुबह उन्होंने पोस्टमॉर्टम करवाने से मना कर दिया। परिवार शव लेकर भीलवाड़ा पहुंचे, वहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। सीपीआर से भी सुधार नहीं हुआ मकान मालिक जम्मू कुमार जैन ने बताया कि पढ़ते हुए केशव मोबाइल में कुछ देखने लगा। अचानक उसके मुंह से चीख निकली और वह अचेत हो गया। केशव के मुंह से जोर से चीख निकली तो बिस्तर पर गिरकर निढाल हो गया। बड़े भाई आदित्य ने हमें आवाज दी। मैं वहां गया तब केशव बिस्तर अचेत पड़ा था। पल्स बिल्कुल नहीं चल रही थी। उस पर पानी छिड़का और उसे सीपीआर देने की कोशिश की। लेकिन उससे कुछ सुधार नहीं हो रहा था। हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने बहुत कोशिश की, सीपीआर दिया गया। केवल 10 मिनट मैं उसकी मौत हो चुकी थी। भाई ने बताया था कि गिरने के बाद दो बार उसने जोर-जोर से सांस ली थी। डॉक्टर मौत का कारण हार्ट अटैक मान रहे हैं। कॉलोनी के लोगों को खबर मिली तो वे भी सदमे में आ गए भीलवाड़ा की आरसी व्यास के सेक्टर 7 में रहने वाले राजेश चौधरी के पड़ोसियों को रात में ही केशव के बारे में खबर लग गई थी। पड़ोसी प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि दोनों भाइयों को बचपन से हम देखते आ रहे हैं। जब केशव के बारे में पता चला तो पूरी कॉलोनी में सन्नाटा छा गया। शव कॉलोनी पहुंचा तो परिवार को संभालना मुश्किल हो रहा था। कॉलोनी वालों ने चौधरी परिवार को संभाला। इलाके में एक बार तो सन्नाटा पसर गया। मां बुरी तरह से बिलख रही थी।

कोटा कलेक्टर ने कोचिंग स्टूडेंट के साथ किया डिनर

-भगवद् गीता का उदाहरणर देते हुए कहा-अपने लक्ष्य पर फोकस करें

कोटा(रॉयल पत्रिका)। कामयाब कोटा' अभियान के तहत जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी शुक्रवार को राजीव गांधी नगर इलाके के गर्ल्स हॉस्टल पहुंचे और कोचिंग छात्राओं के साथ डिनर करते हुए उनसे संवाद किया। छात्राओं ने उनसे पढ़ाई में आने वाली समस्याओं एवं तैयारी के बारे में प्रश्न पूछे। डॉ. गोस्वामी ने बड़ी सहजता के साथ स्वयं के उदाहरण देते हुए उनकी शंकाओं एवं जिज्ञासाओं के समाधान बताए। साथ ही, सफलता के मंत्र भी दिए। उन्होंने कहा कि शंकाएं, समस्याएं और नकारात्मकता सहज प्रवृत्तियां हैं लेकिन इन पर सकारात्मकता और आत्मविश्वास से विजय पा सकते हैं। उन्होंने गीता में भगवान श्री कृष्ण का उद्धरण देते हुए कहा कि अपना मन ही सर्वश्रेष्ठ मित्र है। लक्ष्य के प्रति फोकस रखें। छात्राओं द्वारा मन नहीं लगने, पढ़ाई के दौरान एकाग्रता की कमी जैसे सवालों पर उन्होंने कहा कि विफलता से गलतियों को सुधारते हुए पुनः प्रयास करें सफलता जरूर मिलेगी। पीएमटी से यूपीएससी के सफर से जुड़े सवाल पर डॉ. गोस्वामी ने कहा कि डॉक्टर के रूप में मरीजों की सेवा का मौका मिला लेकिन असहाय की मदद न कर पाने की टीस ने प्रशासनिक सेवा में रुचि जगाई और लक्ष्य के प्रति ईमानदार मेहनत से यह मुकाम पाया। बोले- परीक्षा जीवन का हिस्सा है, पूरा जीवन नहीं उन्होंने कहा कि इम्तिहान जीवन का हिस्सा है, संपूर्ण जीवन नहीं। यदि सफलता नहीं मिलती तो हारें नहीं। गलतियों से सीखकर आगे बढ़ें। सिली मिस्टेक्स से कैसे बचें के सवाल पर उन्होंने कहा कि अधिकाधिक प्रेक्टिस से इसमें सुधार संभव है। ज्यादा देर नहीं पढ़ पाने, पढ़ा हुआ याद ना रहने पर होने वाले तनाव से कैसे निपटा जाए के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि अपने अटेंशन स्पान को पहचानते हुए उतना ही लक्ष्य रखें और उसके पूरा होने पर खुद को खुश करने वाले कार्य करें। उन्होंने कहा कि माता-पिता सबसे बड़े शुभचिंतक है। उनसे प्रतिदिन अपनी बातें शेयर करें। कलेक्टर के साथ डिनर कार्यक्रम में कोचिंग छात्राओं ने खुलकर अपनी बात रखी। कलेक्टर ने स्ट्रेस दूर करने, कमजोर विषय पर फोकस करने, सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करने, नकारात्मकता से बचने के संबंध में सुझाव दिए। खुद को मोटिवेट रखने के लिए पढ़ाई के बीच अपनी पसंद की एक्टिविटी के लिए समय निकालें। छोटे-छोटे ब्रेक लें। पर्याप्त नींद लें। डिनर विद कलेक्टर के इस संवाद में छात्राओं ने जिला कलक्टर को गाने भी सुनाए। संवाद के दौरान सीईओ जिला परिषद राजपाल सिंह भी उपस्थित थे।

फर्जी किन्नर से परेशान ग्रामीणों ने किया थाने का घेराव

-धमकी और अवैध वसूली का आरोप, विरोध करने पर मुकदमा दर्ज कराया

झालावाड़(रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ के असनावर कस्बे में फर्जी किन्नर से परेशान ग्रामीणों ने शनिवार को थाने का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि एक व्यक्ति खुद को किन्नर बताकर क्षेत्र में दहशत फैला रहा है और लोगों से अवैध वसूली कर रहा है। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी धर्म के नाम पर लोगों को धमकाता है और पैसे नहीं देने पर फर्जी रिपोर्ट दर्ज करवाने की धमकी देता है। जब सरपंच प्रतिनिधि मनीष पाटीदार ने इस कृत्य का विरोध किया तो आरोपी ने उनके खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंचे और थानाधिकारी से कार्रवाई की मांग की। असनावर थाने के एएसआई भंवर सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ शिकायत मिली है और जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी असमाजिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और कस्बे की शांति भंग कर रहा है।

15 महीने से फरार स्मैक तस्कर गिरफ्तार

-पुलिस से बचने के लिए खेतों में छिपकर रहता था, 10 हजार रुपए का है इनामी

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले की हरनावदाशाहजी थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने स्मैक तस्करी के एक मामले में पिछले 15 महीने से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि कोटा रेंज आईजी के निर्देश पर जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। एएसपी राजेश चौधरी के मार्गदर्शन में हरनावदाशाहजी थानाधिकारी बृजेश सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गिरफ्तार आरोपी छीपाबड़ौद के गड़ारी का रहने वाला दिलीप उर्फ भूरा पुत्र मेघराज मीणा सारथल थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में पिछले 15 महीनों से फरार चल रहा था। पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी पुलिस के डर से घर पर नहीं रहता था और गांव के आस पास के खेतों में छिपा रहता था। वह बहुत कम ही अपने घर जाता था।पुलिस ने सूचना के आधार पर निगरानी रखी और सरसों के खेत में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी बृजेश सिंह, एएसआई डालूराम, कॉन्स्टेबल बांके बिहारी, ओमप्रकाश और संजय सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

कारोबारी सहूलियत बढ़ाने और मैन्युफैक्चरिंग बूस्ट की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। छोटे और मझोले उद्यमों के लिए पिछले बजट में घोषित म्यूचुअल क्रेडिट गारंटी स्कीम को आखिरकार नया बजट पेश किए जाने से 3 दिन पहले सरकारी मंजूरी मिल गई। लेकिन कंपनियों और विशेषज्ञों का कहना है कि सुस्त हो रही मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को कारोबारी सहूलियत बढ़ाने के कई कदम उठाने होंगे।

सरकार ने एमएसएमई के लिए बुधवार को जिस क्रेडिट गारंटी स्कीम को मंजूरी दी है, उससे वैध उद्यम रजिस्ट्रेशन नंबर वाली एमएसएमई को प्लांट और मशीनरी की खरीद के लिए 100 करोड़ रुपये तक के लोन पर गारंटी कवरेज मिलेगा। एफआईईओ प्रेसिडेंट अश्वनी कुमार ने कहा, 'इससे मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट से जुड़ी एमएसएमई को फाइनैंस हासिल करने में काफी मदद मिलेगी। सरकार से अनुरोध है कि यह स्कीम अच्छी तरह लागू हो और लोन अप्रूवल तेजी से हो।'

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

हालांकि उद्योग संगठन एमएसएमई सहित कॉरपोरेट सेक्टर के लिए आगामी बजट में कई कदमों की मांग कर रहे हैं। लघु उद्योग भारती के महासचिव अनिल भारद्वाज ने कहा, 'आरबीआई की स्पेशल मेंशन अकाउंट की व्यवस्था से दिक्कत हो रही है। पिछले बजट के बाद इसका रिव्यू किया गया, लेकिन कोई खास लाभ नहीं हुआ है। बैंक लोन रेटिंग सिस्टम के नाम पर थर्ड पार्टी रेटिंग भी थोप दी गई है। ये समस्याएं दूर होनी चाहिए। पीएचडीसीसीआई प्रेसिडेंट हेमंत जैन कहा है कि ओपीएलआई स्कीम का दायरा 14 सेक्टरों से बढ़ाकर मेडिसिनल प्लांट्स, हैंडीक्राफ्ट, लेदर एंड फुटवियर, जेम्स एंड जूलरी और स्पेस सेक्टर तक करना चाहिए।

रोजाना कई किमी सफर के साथ रात होते ही 10,000 रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के मयूरभंज जिले के उदाला में चक्रधर राणा को प्यार से पापड़ मैन कहा जाता है। पिछले 50 सालों से अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह हर रोज 30-40 किमी का सफर तय करके पापड़ बेचते हैं। बारिश हो या धूप, वह बिना थके, बिना रुके अपना काम करते रहते हैं। उनकी कहानी संघर्ष और समर्पण की अनोखी मिसाल बन गई है। वह रोजाना 10 हजार रुपये से ज्यादा के पापड़ बेचते हैं। आइए, यहां चक्रधर राणा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

चक्रधर राणा उदाला की गलियों में पापड़ बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनकी मेहनत और लगन देखकर हर कोई उनका आदर करता है। वह रोज सुबह जल्दी उठते हैं। अपने सिर पर पापड़ का बोझ लेकर बाजार की ओर निकल पड़ते हैं। 10 रुपये प्रति पापड़ की मामूली कीमत पर वह ग्राहकों को पापड़ बेचते हैं। उनकी उम्र चाहे कितनी भी बढ़ गई हो, लेकिन काम के प्रति उनका उत्साह और समर्पण कम नहीं हुआ है। वह अपने काम से बहुत ज्यादा प्यार करते हैं।

पांच दशक पहले शुरू हुआ सफर – चक्रधर राणा का पापड़ विक्रेता का सफर पांच दशक पहले शुरू हुआ था। उस समय वह एक पापड़ मात्र 5 पैसे में बेचा करते थे। समय के साथ, उन्होंने महंगाई को देखते हुए पापड़ की कीमत धीरे-धीरे बढ़ाई। अभी वह 10 रुपये में पापड़ बेचते हैं। चक्रधर कोलकाता से पापड़ लाते हैं। रोजाना लगभग 1,000 पापड़ बेचते हैं। चक्रधर राणा ने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने काम में शर्मिंदगी महसूस नहीं की। उन्हें अपनी मेहनत से अपने परिवार का पालन-पोषण करने में गर्व है। आज, चक्रधर के धैर्य और कड़ी मेहनत के लिए सभी उनका सम्मान करते हैं।

पापड़ मैन के नाम से मशहूर

हर कोई चक्रधर राणा को पापड़ मैन के नाम से जानता और प्यार करता है। लोग उनके पापड़ खाने के लिए बेसब्री से उनका इंतजार करते हैं। वह कई बाजारों में अपने पापड़ बेचते हैं। हाफ पैंट, सफेद शर्ट और सिर पर पापड़ लिए उन्हें पहचानना आसान है। लोग न केवल राणा के पापड़ के लिए बल्कि उनके अच्छे व्यवहार के लिए भी उनकी प्रशंसा करते हैं। उनका समर्पण काबिले तारीफ है। वह क्षेत्र के लगभग 70 से 80 बाजारों में अपने पापड़ बेचते हैं।

चक्रधर राणा की कहानी कड़ी मेहनत और लगन का महत्व सिखाती है। वह उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा हैं जो मुश्किल परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते और अपने परिवार के लिए संघर्ष करते रहते हैं। उनकी सादगी और ईमानदारी सबके दिलों को छू जाती है। वह मिसाल हैं उन सभी लोगों के लिए जो अपने दम पर कुछ बनना चाहते हैं। उनके जीवन की कहानी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। वह दिखाते हैं कि अगर इंसान ईमानदारी और मेहनत से काम करे तो वह जिंदगी में कामयाब हो सकता है।

नकली हीरों से ग्राहकों को बचाने के लिए सरकार ला रही है नीति; सोने की तर्ज पर सर्टिफिकेट देने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। नकली हीरों से ग्राहकों को बचाने के लिए सरकार जल्द ही पॉलिसी लाने की तैयारी में है। यह ठीक सोने पर हॉलमार्क की तरह एक प्रमाणपत्र के रूप में हो सकता है, जिसे हीरे खरीदते समय कंपनियां ग्राहकों को देंगी। हालांकि, इसे किसी और भी रूप में लाया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इसके बाद यह नीति

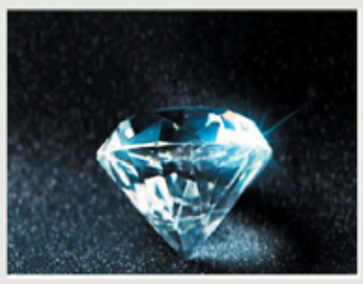

तैयार की जा रही है। इसे देखते हुए दुनिया की अग्रणी हीरा कंपनी डी बीयर्स ग्रुप ने जेम एंड जूलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के सहयोग से असली हीरे को बढ़ावा देने के लिए इंडियन नेचुरल डायमंड रिटेलर एलायंस (इंद्रा) के तहत गतिविधियां शुरू की हैं। डी बीयर्स के भारत में प्रबंध निदेशक अमित प्रतिहारी ने कहा, इंद्र के के जरिये असली हीरे की पहचान हो सकेगी।

असली हीरे की पहुंच सिर्फ 10 फीसदी

वर्तमान में भारतीय आभूषण खुदरा क्षेत्र में असली हीरे की पहुंच केवल 10 फीसदी ही है। खुदरा विक्रेता इंद्रा के पोर्टल पर पंजीकरण कर सकेंगे। उन्हें कई भाषाओं में यहां पर असली हीरे के बारे में जानकारी मिलेगी। जीजेईपीसी के 10,500 सदस्य पहले चरण में नामांकन कर सकेंगे। भारतीय रत्न और आभूषण बाजार का मूल्य वर्तमान में 85 अरब डॉलर है।

बजट से पहले सोना खरीदने वालों का बिगड़ा बजट, नए शिखर पर पहुंची कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट 2025 से पहले आज सोना खरीदने वालों का बजट गड़बड़ हो जाएगा, क्यों सोने की कीमतों ने आज भी इतिहास रच दिया है। सोना नए ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है। सर्राफा बाजारों में सोने का औसत भाव पिछले बंद के मुताकबले 862 रुपये महंगा होकर 82166 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। जबकि, चांदी में 993 रुपये का उछाल आया और भाव 93177 पर पहुंच गया है। 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 81836, 22 कैरेट की कीमत 75263 और 18 कैरेट सोने के भाव 61624 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यह रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किया है, जिसमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। जनवरी 2025 में सोना 6425 रुपये महंगा हो चुका है जबकि, चांदी की कीमत 7160 रुपये उछल चुका है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक एक बड़ी रैली के बाद सोने में जितनी गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद यूके ने ब्याज दरों में कटौती की है। इससे गोल्ड श्रअस्त्र की खरीदारी बढ़ेगी। ऐसे में इस साल 30 जून तक सोना 85 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। सर्राफा मार्केट में यह आशंका घर कर रही है कि गोल्ड-सिल्वर पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाई जा सकती है। अभी इस पर 6 प्रतिशत ड्यूटी लगती है। इससे सोना-चांदी के दाम बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि पीली धातु के दाम आसमान छू रहे हैं।

6 गुना बढ़ा मुनाफा, दो दिन में ही 4300 रुपये से ज्यादा चढ़ गया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। हिताची एनर्जी इंडिया के शेयरों में गजब की तेजी आई है। हिताची एनर्जी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 20 पर्सेंट के उछाल के साथ 14,589.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में गुरुवार को भी 20 पर्सेंट की तेजी आई थी और शेयर 12,157.95 रुपये पर बंद हुए थे। दो दिन में हिताची एनर्जी के शेयर 4300 रुपये से ज्यादा उछल गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 10,243.45 रुपये पर बंद हुए। हिताची एनर्जी के शेयर शुक्रवार को 14,589.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद आया है।

6 गुना बढ़ा है हिताची एनर्जी का मुनाफा– हिताची एनर्जी का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 6 गुना बढ़ा है। दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 498 पर्सेंट बढ़कर 137.4 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के रेवेन्यू में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में हिताची एनर्जी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 31 पर्सेंट बढ़कर 1672.4 करोड़ रुपये रहा है। 31 दिसंबर 2024 को खत्म हुए शुरुआती 9 महीने में हिताची एनर्जी का रेवेन्यू 4520.3 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, इस अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 200.1 करोड़ रुपये रहा।

एक साल में 140 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए कंपनी के शेयर

हिताची एनर्जी के शेयर पिछले एक साल में 140 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 31 जनवरी 2024 को 5935.65 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 31 जनवरी 2025 को 14,589.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 साल में हिताची एनर्जी के शेयरों में 1500 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 791.25 रुपये से बढ़कर 14000 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। हिताची एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 16,534.50 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 5,636.80 रुपये है।

बैंक कितना करते हैं परेशान, शिकायतों का आंकड़ा देख हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में बैंकिंग सिस्टम से जुड़ी कई तरह की शिकायतें बढ़ रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि बुजुर्गों को बैंकों में पेंशन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें एक तरफ केवाईसी अपडेट कराने से लेकर अन्य तरह की समस्याएं आ रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ बैंकों द्वारा जमा और निकासी के अतिरिक्त दी जाने वाली सेवाओं (पैरा बैंकिंग) में भी ग्राहकों को परेशान किया जा रहा है। यही कारण है कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान पेंशन से जुड़ी शिकायतों में 39.5 फीसदी और पैरा बैंकिंग से जुड़े मामलों में 57 फीसदी से अधिक वृद्धि हुई हैं। यही नहीं, कर्ज और अग्रिम कर्ज के मामलों में भी ग्राहकों को परेशान किया जा रहा है।

हाल ही में आरबीआई द्वारा एकीकृत लोकपाल योजना के तहत वित्त वर्ष 23-24 में दर्ज और निपटाई गई शिकायतों पर आधारित रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 22-23 की तुलना में वित्त वर्ष 23-24 में लोकपाल योजना के तहत दर्ज की गई शिकायतों की संख्या में 53 हजार से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बीते वित्त वर्ष में कुल 2,99,022 शिकायतें आई, जिसमें से 2,84,355 शिकायतों यानी 95 प्रतिशत से अधिक का निपटान कर दिया गया। जबकि वित्त वर्ष 22-23 में 2.45 लाख से अधिक शिकायतें मिली थीं, जिनमें से करीब 98 प्रतिशत को निपटाया गया था।

सरकारी बैंक में पेंशन की शिकायतें ज्यादा– आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा शिकायतें लोन से जुड़ी हुई हैं। हालांकि, बैंकिंग सिस्टम में सबसे ज्यादा शिकायतें लोन से संबंधित रहती है, लेकिन बीते वित्त वर्ष में पेंशन और पैरा बैंकिंग से जुड़ी शिकायतें बढ़ी हैं जो चिंताजनक है। खास तौर पर सरकारी बैंकों से संबंधित पेंशन की शिकायतें सबसे ज्यादा प्राप्त हुई हैं। पेंशन से जुड़ी कुल 4108 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 3918 शिकायतें सरकारी बैंकों में पेंशन की थीं जबकि निजी बैंकों में 126, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से जुड़ी 26 शिकायतें प्राप्त हुईं। बाकी शिकायतें अन्य बैंकों से प्राप्त हुईं।

पैरा बैंकिंग सेवाएं देने में भी बढ़ी शिकायतें– बैंक सामान्य सेवाओं के अतिरिक्त अन्य सेवाएं देने में भी आनाकानी कर रहे हैं। खास तौर पर पैरा बैंकिंग की बात करें तो कुल 4380 शिकायतें मिलीं। इसमें से 2614 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 1385 निजी, 195 पेमेंट बैंक और 83 ग्रामीण क्षेत्र के बैंकों से संबंधित थीं। शेष शिकायतें अन्य बैंकों से संबंधित थीं।

क्या हैं पैरा बैंकिंग

बैंकों द्वारा दैनिक जमा व निकासी के अतिरिक्त दी जाने वाली सेवाओं को पैरा बैंकिंग सेवा के तौर पर गिना जाता है। इसमें बीमा बिजनेस, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज, पेंशन फंड प्रबंधन, म्यूचुअल फंड व्यवसाय, मनी मार्केट म्यूचुअल फंड, वेंचर कैपिटल फंड में निवेश आदि सेवाएं आती हैं।

सरकारी बैंकों में खाता खोलने और ऑपरेट करना सबसे मुश्किल

रिपोर्ट से पता चलता है कि सरकारी बैंकों में जमा खाता खोलना और उसे संचालित करने का काम सबसे मुश्किल हैं। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार खाता खोलने और उसे संचालित करने से संबंधित 46,353 शिकायतें मिली।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का घट गया मुनाफा, 970 पर आया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) का दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 6.5 प्रतिशत घटकर 281.92 करोड़ रुपये रह गया है। टीसीपीएल ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी ने एक साल पहले अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 301.51 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी के शेयर आज मामूली तेजी के साथ 970 रुपये पर बंद हुए थे।

क्या है डिटेल– समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 16.81 प्रतिशत बढ़कर 4,443.56 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 3,803.92 करोड़ रुपये थी। दिसंबर तिमाही में टीसीपीएल का कुल खर्च 22 प्रतिशत बढ़कर 4,087.07 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंज्यूमर की कुल आय, जिसमें अन्य आय भी शामिल है, 16.34 प्रतिशत बढ़कर 4,495.16 करोड़ रुपये हो गयी। दिसंबर तिमाही में टीसीपीएल का कुल ब्रांडेड कारोबार 18.3 प्रतिशत बढ़कर 4,026.15 करोड़ रुपये का हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 3,403.31 करोड़ रुपये था। टीसीपीएल के ब्रांडेड कारोबार में चाय, कॉफी, पानी और अन्य विभिन्न मूल्यवर्धित कारोबार शामिल हैं। दिसंबर तिमाही में भारत में ब्रांडेड कारोबार से इसका राजस्व 19.31 प्रतिशत बढ़कर 2,833.68 करोड़ रुपये हो गया। टीसीपीएल का अंतरराष्ट्रीय ब्रांडेड कारोबार 15.95 प्रतिशत बढ़कर 1,192.47 करोड़ रुपये हो गया। जबकि, गैर-ब्रांडेड कारोबार से इसका राजस्व 446.12 करोड़ रुपये रहा, जो 8.66 प्रतिशत की वृद्धि है।

एक्सपर्ट्स ने दी सलाह अडानी एंटरप्राइजेज पर दांव लगाएं निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। , एक्सपर्ट्स की ये सलाह अडानी ग्रुप की दिग्गज कंपनियां जैसे अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और अडानी पावर ने अपने दिसंबर तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। अब सवाल है कि तिमाही नतीजों के सामने आने के बाद किस कंपनी पर दांव लगाना सही रहेगा आइए समझते हैं...

अडानी एंटरप्राइजेज के नेट प्रॉफिट में 88 प्रतिशत का इजाफा– कंपनी ने दिसंबर तिमाही के नतीजों का जारी करते हुए बताया है कि सालाना आधार पर उनका नेट प्रॉफिट 88 प्रतिशत गिरा है। कंपनी ने बताया है कि दिसंबर तिमाही में उनका नेट प्रॉफिट 228.64 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1972.75 करोड़ रुपये रहा है।

अडानी पोर्ट्स का नेट प्रॉफिट 14 प्रतिशत बढ़ा– अक्टूबर से दिसंबर के दौरान अडानी पोर्ट्स का नेट प्रॉफिट 2518.39 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2208.21 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बता दें, कंपनी का रेवन्यू दिसंबर तिमाही में 7963.55 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले इस बार कंपनी के रेवन्यू में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

अडानी पावर का भी नेट प्रॉफिट बढ़ा– अडानी ग्रुप की इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर क्वार्टर में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2940 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही

में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2737 करोड़ रुपये रहा था।

अडानी ग्रुप का कौन सा स्टॉक खरीदना रहेगा बुद्धिमानी– अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2023 से कई कंपनियों के शेयर अबतक 50 प्रतिशत तक लुढ़क गए हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों पर बुरा असर डाला है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज की वरिष्ठ शोध विश्लेषक सीमा श्रीवास्तव कहती हैं कि अडानी ग्रुप की कंपनियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। प्रमुख कंपनियां जैसे अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पावर और अडानी ट्रांसमिशन के रेवन्यू ग्रोथ मॉड्रेट रहा है। लेकिन इनपुट खर्च बढ़ने, रेगुलेटरी का प्रेशर और मार्केट की अनिश्चितता ने मुनाफे पर असर डाला है।

सुमित बगाडिया क्या बता रहे हैं– च्वाइस ब्रोकिंग के सुमित बगाडिया कहते हैं कि चार्ट में अडानी ग्रुप के तीनों कंपनियों के शेयर बाउंस बैक करते हुए दिखाई देते हैं। सुमित कहते हैं, अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 2450 रुपये से 2500 रुपये तक जा सकते हैं। अडानी पोर्ट्स के शेयर 1200 रुपये तक पहुंच सकते हैं। वहीं, अडानी पावर के शेयर 550 रुपये से 580 रुपये तक पहुंच सकते हैं। शेयरहोल्डर्स अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और अडानी पावर के लिए क्रमशः 2120, 1010 रुपये और 480 रुपये का स्टॉप लॉस लगाएं।

हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर नहीं चलेगी कंपनियों की मनमानी, बुजुर्गों को बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट से ठीक से पहले भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर बड़ा फैसला लिया है। नियामक ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वरिष्ठ नागरिकों के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में एक साल में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं करें। दरअसल, इरडा के संज्ञान में आया है कि कुछ हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट में वरिष्ठ नागरिकों (60 साल और अधिक) के प्रीमियम दरों में काफी बड़ी वृद्धि की गई है। इसके बाद इरडा ने एक सर्कुलर जारी कर सभी जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को यह निर्देश दिया है।

क्या कहा इरडा ने इरडा के बयान में कहा गया है कि इस कदम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए बढ़ते हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर अंकुश लगाना और उनके वित्तीय बोझ को कम करना है, खासकर जब उन्हें उम्र और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों के कारण भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ता है। इरडा, बीमा बाजार की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा। नियामक विशेष रूप से इस बात पर ध्यान देगा कि वरिष्ठ नागरिकों के हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स के संबंध में इन नए दिशानिर्देशों को कैसे लागू किया जाता है।

सफलता और असफलता को लेकर मैं खुद पर दबाव नहीं डालना चाहती: पूजा हेगड़े

अभिनेत्री पूजा हेगड़े दक्षिण भारतीय सिनेमा के साथ ही बॉलीवुड में भी कई फिल्में कर चुकी हैं। जल्द ही वो शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'देवा' में दिखाई देंगी।

पूजा ने अपनी आगामी फिल्म के साथ ही सफलता और असफलता को लेकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि अपने करियर को लेकर वो क्या सोचती हैं, तो पूजा ने कहा, मैंने इंडस्ट्री में काफी लंबा सफर तय किया है लेकिन मुझे अभी और भी लंबा सफर तय करना है। दरअसल, मैं खुद पर यह दबाव नहीं डालना चाहती हूं कि मैं सफल हो पाऊंगी या नहीं। लेकिन मैं यहां मजबूती से खड़ी हूं। पूजा ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी। उन्होंने कहा, मैं नॉन-फिल्मी परिवार से संबंध रखती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक अभिनेत्री बनूंगी। मुझे यह भी नहीं लगता था कि ऐसी कोई संभावना भी है कि मैं अभिनेत्री बन सकती हूं। मैं एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हूं, जो काफी पढ़ा-लिखा है। अभिनेत्री ने बताया, मेरी मां ने कानून में मास्टर्स किया है। मेरा भाई एक ऑर्थोपेडिक सर्जन है। पूजा ने बताया कि वह सिनेमा की दुनिया में आकर खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसे नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड के साथ अभिनय में करियर बनाऊंगी, ऐसा सोचा नहीं था। जब मैं फिल्में देखती थी, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं पर्दे की वो लड़की (अभिनेत्री) बन सकती हूं। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं और वह कर रही हूं जो मुझे पसंद है। मुझे अभी बहुत आगे जाना है। उन्होंने आगे कहा, बहुत से ऐसे किरदार हैं, जिन्हें मैं निभाना चाहती हूं। बहुत से ऐसे फिल्म निर्माता हैं, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हुई पुष्पा 2: द रूल, बनेंगे कई रिकॉर्ड

वर्ष 2024 की भारतीय सिने इतिहास की सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हुई निर्देशक सुकुमार की अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2: द रूल 30 जनवरी को ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है।

गौरतलब है कि अपने सिनेमाई प्रदर्शन के दौरान अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर एक्शन थ्रिलर फिल्म 'पुष्पा 2- द रूल' ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया है। ये फिल्म देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है और वर्ल्डवाइड भी ये दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है। वहीं रिलीज के दो महीने बाद भी पुष्पा 2: द रूल बॉक्स ऑफिस पर नोट छाप रही है। इन सबके बीच अब पुष्पा 2 :द रूल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी राज करने आ पहुंची है। फिल्म को सभी भाषाओं में ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया है।

ओटीटी पर हिंदी में कहां देखें पुष्पा 2

देश-दुनिया के बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक कमाई करने वाली पुष्पा 2: द रूल ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इस एक्शन ड्रामा के रीलोडेड वर्जन को ओटीटी पर स्ट्रीम किया गया है। जिसका मतलब है कि फिल्म में 23 मिनट एक्स्ट्रा एड किए गए हैं। यानी अब दर्शकों को ओटीटी पर पूरे 3 घंटे 44 मिनट की फिल्म देखने को मिल रही है।

बता दें कि पहले मेकर्स ने पुष्पा 2 की ओटीटी रिलीज की घोषणा करते हुए पहले कहा था कि इसे तमिल तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में नेटफ्लिक्स पर 30 जनवरी से स्ट्रीम किया जाएगा। इस ऐलान के बाद हिंदी दर्शक मायूस हो गए थे और फिल्म के हिंदी वर्जन में भी ओटीटी पर रिलीज किए जाने का इंतजार कर रहे थे।

देवा में प्रयास के साथ मेहनत और भावनाएं भी शामिल: शाहिद कपूर

फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाले अभिनेता शाहिद कपूर अपने लुक को लेकर बेफिक्र रहते हैं। प्रयोगधर्मी अभिनेता ने अपकमिंग फिल्म 'देवा' को ढेरों कोशिशों का नतीजा बताया।

बातचीत में शाहिद ने कहा, देवा बड़े पर्दे पर देखने वाली फिल्म है। न केवल किरदार, बल्कि फिल्म की दुनिया कुछ ऐसी है जिसका अनुभव थिएटर में ही किया जाना चाहिए। देवा 31 जनवरी को रिलीज हो रही है, जिसके निर्माण में काफी प्रयास के साथ कड़ी मेहनत और भावनाएं भी शामिल हैं। शाहिद का मानना है कि अपने काम से प्यार करते हैं तो उसके लिए आप हर हाल में तैयार रहते हैं और मेहनत करने से पीछे नहीं हटते हैं। एक्टर ने कहा, अगर आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो कोई भी काम मुश्किल नहीं है और उससे जुड़ी मेहनत भी आसान बन जाती है। आप यह बात समझने लगते हैं। अभिनेता ने कहा, मैं कहूंगा कि काम को पूरा करने के लिए जो भी करना पड़े, करें। लेकिन मुझे लगता है कि कभी-कभी लोग सोचते हैं कि एक पेशेवर अभिनेता है, तो ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं होती होगी, और ऐसी सोच कुछ अभिनेता भी रखते हैं। लेकिन मैं ऐसी मानसिकता बिल्कुल नहीं रखता।

मुझे लगता है कि यह एक काम है और आपको पेशेवर रूप से यह जानना चाहिए कि इसे कैसे करना है। लेकिन आपको इसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए फोकस करना होगा और अपना शत-प्रतिशत देना होगा। शाहिद कई सफल फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने साल 2003 में 'इश्क-विश्क' से डेब्यू के बाद 'विवाह', 'फटा पोस्टर निकला हीरो', 'जब वी मेट', 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' जैसी फिल्मों में यादगार किरदार निभाए हैं।

शाहिद हर किरदार को अपने खास अंदाज में निभाने में सहजता महसूस करते हैं और उन्होंने स्क्रीन पर हर प्रदर्शन के साथ खुद को और बेहतर बनाया है। उन्होंने बताया कि वह इसकी तैयारी कैसे करते हैं? अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सफर है जो एक अभिनेता के तौर पर आपके लिए निजी होता है और निश्चित रूप से यह दर्शकों को थिएटर में आने पर एक शानदार अनुभव देने की चाहत का एक मजबूत हिस्सा भी होता है।

हंटर-2

एक बार फिर दुश्मनों को तोड़ने आए सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ से करेंगे दो-दो हाथ, हंटर 2 का टीजर जारी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है।

टीजर में सुनील शेट्टी का दमदार अवतार

हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर 2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं।

निर्माताओं की पोस्ट

वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है...याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी सीरीज की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है, लेकिन यह शो इसी साल दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

दीपशिखा नागपाल ने इश्क़ जबरिया' में एक दमदार भूमिका के साथ की एंट्री

मशहूर अदाकारा दीपशिखा नागपाल अब सन नियो के बहुचर्चित रोमांटिक ड्रामा शो 'इश्क़ जबरिया' में अपने दमदार किरदार से दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। वे शो में देवी सहाय की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी खूबसूरती, ताकत और रहस्य से भरे व्यक्तित्व से कहानी में नया मोड़ लेकर आएँगी। उनका किरदार इस कहानी में न केवल रोमांचक मोड़ जोड़ेगा, बल्कि उसकी अनपेक्षित मंशाएँ और छुपा हुआ अतीत, दोनों मिलकर दर्शकों को एक नए मोड़ से परिचित कराएँगे। शो से जुड़ने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने कहा, मैं 'इश्क़ जबरिया' के साथ जुड़कर बेहद उत्साहित हूँ और देवी सहाय के किरदार को निभाने का मौका पाकर बहुत रोमांचित महसूस कर रही हूँ।

जब मैंने इस किरदार को पहली बार पढ़ा, तो मैं तुरंत इससे खुद को जोड़ पाई। देवी एक सफल और शक्तिशाली बिजनेस वुमन महिला है, जो बेहद धनी और प्रभावशाली है। लेकिन उसकी असली खासियत उसका बहुआयामी व्यक्तित्व है। वह जमीन से जुड़ी हुई है, उसे पारंपरिक खाना पकाने का शौक है और उसकी बोलचाल में अंग्रेजी का अनोखा अंदाज इस किरदार में ह्यस्य तत्व को जोड़ता है। लेकिन उसकी खुशमिज़ाजी और सकारात्मकता के पीछे एक ऐसा अतीत छुपा है, जो विश्वासघात और दर्द से भरा हुआ है।

महाकुंभ:

अभिनेत्री पूनम पांडे ने लगाई गंगा में डुबकी

अपनी मौत का स्वांग रचने वाली मॉडल पूनम पांडे महाकुंभ नगर पहुंची और गंगा में डुबकी लगाई। उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। पूनम ने कहा कि यहां आस्था की कोई सीमा नहीं है। महाकुंभ में हुई भगदड़ पर संवेदना जताते हुए उन्होंने मोक्ष प्राप्ति की बात कही। सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री पूनम पांडे ने बताया कि उन्होंने महाकुंभ में जिंदगी को करीब से देखा।

अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, महाकुंभ में जिंदगी को करीब से देखा, जहां 70 साल का एक बुजुर्ग नंगे पैर चलता है, जहां आस्था की कोई सीमा नहीं होती। यहां की भक्ति ने मुझे आश्चर्य में डाल दिया। प्रयागराज में बुधवार को हुई भगदड़ पर अभिनेत्री ने मृतकों, उनके परिजनों और घायलों के प्रति संवेदना जताई। अभिनेत्री ने लिखा, जो लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, उनके लिए गहरी संवेदना, उम्मीद है कि उन्हें मोक्ष मिलेगा। सर्वाइकल कैंसर से अपनी मौत का नाटक करने के कारण सुर्खियों में आने वाली अभिनेत्री-मॉडल पूनम पांडे शेयर किए गए तस्वीरों और वीडियोज में काले रंग का कुर्ता पहन गंगा में डुबकी लगाती नजर आईं, इस पर महाकाल लिखा था।

आश्रम 3 के दूसरे भाग का एलान

बाबा निराला बन लौटे बॉबी देओल

बॉबी देओल की सिरज आश्रम के तीन सीजन की सफलता के बाद अब निर्माताओं ने तीसरे सीजन के दूसरे भाग का एलान किया है, जिसका टीजर जारी हो चुका है। हिट वेब सीरीज आश्रम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस सीरीज ने बॉबी देओल को नई पहचान दिलाई। उन्होंने तीन सीजन के जरिए फैंस का मनोरंजन किया, जिसके बाद फैंस इसके अगले भाग का इंतजार कर रहे थे। वहीं, अब निर्माताओं ने इस सीजन के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का एलान किया।

वेब सीरीज का ट्रेलर

आश्रम के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का टीजर जारी कर दिया है। इस शो में बॉबी देओल एक दुष्ट बाबा निराला की भूमिका में हैं, जो अपने आश्रम की युवतियों का शिकार करता है। हालांकि, आखिरकार उसे न्याय मिल सकता है। नए टीजर में दिखाया गया है कि बाबा निराला नए शिकार पर नजर रखता है, लेकिन आखिरकार वह उसके लिए बहुत ज्यादा हो सकता है। बदला लेने की योजना बनाई जाती है और गोलिया चलाई जाती हैं, क्योंकि खेल पहले से कहीं ज्यादा संदिग्ध हो जाता है।

सीरीज की कहानी

पिछले सीजन में फैंस ने देखा कि कैसे बाबा अपने संपर्कों का इस्तेमाल करके कोर्ट केस को पूरी तरह से फ्लट देता है। पम्मी के खिलाफ केस दर्ज किया जाता है और उसे जेल भेज दिया जाता है। जब पम्मी जेल में होती है, तो उसकी मां, जो अस्पताल में भर्ती थी, वह मर जाती है। बाबा निराला को पम्मी की स्थिति के बारे में पता चलता है और वह जेल में सत्संग का आयोजन करता है, जिससे उसे पम्मी से मिलने का मौका मिलता है - एक ऐसा पल जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहा था।

पम्मी के बदले की कहानी

वह डीआईजी को आदेश देता है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप वापस लिए जाएं और उसे आश्रम में वापस लाया जाए। पम्मी आश्रम लौटती है, लेकिन उसे ठंडे दिमाग से स्वागत किया जाता है और उसे अलग-थलग कर दिया जाता है, लेकिन पम्मी अब बदले की आग में जल रही है। पम्मी पहले आश्रम में सबको यह एहसास कराती है कि अब वह पहले जैसी नहीं रही और पूरी तरह से बाबा की भक्ति में डूब गई है। पम्मी भोपा को अपने प्यार में पागल कर देती है, जिससे भोपा और बाबा के बीच दरार पैदा हो जाती है।

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन की चमकीली, कोमोलिका के बाद टीवी की नई आइकॉन बनने को तैयार

भारतीय टेलीविज़न की दुनिया में कुछ किरदार ऐसे होते हैं, जो अपने स्टाइल, चालाकी और दमदार डायलॉग्स से अमिट छाप छोड़ जाते हैं। उन्हीं में से एक था उर्वशी ढोलकिया द्वारा निभाया गया किरदार कोमोलिका, जिन्होंने ऑन-स्क्रीन वैम्प के किरदार को ग्लैमर और बोल्डनेस से एक नई पहचान दी। अब अभिनेत्री इशिता गांगुली अपने नए किरदार चमकीली से दर्शकों का दिल जीतने और कोमोलिका जैसी आइकॉनिक पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। शेमारू उमंग के शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन में इशिता चमकीली का किरदार निभा रही हैं, जो तेज़ तर्रार, बेखौफ और बेहद प्रभावशाली है। चमकीली कोई आम किरदार नहीं है, उसका बिच्छू वाला टैटू और झुमके, होंठ पर रिंग और दमकता हुआ माँग टीका उसे सबसे अलग बनाते हैं। इस किरदार को लेकर इशिता गांगुली खुद भी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, चमकीली निडर, बेबाक और अपने फैसलों में अटल है। वह मानती है कि अपने लक्ष्यों को पाने के लिए किया गया हर कठोर कदम जायज़ है। मैंने उर्वशी ढोलकिया द्वारा निभाए गए किरदार कोमोलिका से प्रेरणा ली, जिन्होंने वैम्प किरदारों को एक नई ऊँचाई दी।

कोमोलिका के किरदार ने एक नया आयाम स्थापित किया, जो कि आज भी बरकरार है। मुझे उम्मीद है कि चमकीली अपनी अलग पहचान बनाएगी। उसका लुक, उसका व्यक्तित्व सब कुछ अलग है और उसका तकियाकलाम है- चमकीली जब चमकती है ना, तब अच्छे-अच्छों का बल्बवा फ्यूज़ हो जावे है। चमकीली के माँग टीके से लेकर उसके टैटू तक सब कुछ इसे और मज़ेदार बना देते हैं। हमारी स्टाइलिस्ट और मेकअप टीम ने इस लुक को और भी बेहतरीन बना दिया है। इशिता के लिए चमकीली का लुक और व्यक्तित्व एक अनोखा अनुभव है।

- सामार एजेंसी

राखी सावंत की शादी होने से पहले ही टूटी! डोडी खान ने पीछे खींचे कदम

पर किया वादा- वो पाकिस्तान की बहू बनेगी!

टीवी एक्ट्रेस राखी सावंत इन दिनों अपनी तीसरी शादी को लेकर चर्चा में हैं, जो वो पाकिस्तान में करने वाली हैं। हालांकि, डोडी खान ने उनका दिल तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि वो राखी से शादी नहीं कर सकते हैं, लेकिन वो उसे पाकिस्तान की बहू बनाएंगे। टीवी की ड्रामा क्वीन और बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट राखी सावंत तबसे सुर्खियां बटोर रही हैं, जबसे उन्होंने कहा कि वो पाकिस्तान की बहू बनना चाहती हैं। उनसे शादी के लिए तैयार शख्स का नाम डोडी खान बताया जा रहा था, जो पड़ोसी मुल्क में एक्टर और बिजनेसमैन हैं। राखी ने कहा था कि ये शादी इस्लामिक रीति-रिवाज से होगी और शादी के बाद वो भारत में रिसेप्शन पार्टी होस्ट करेंगी व हनीमून के लिए नीदरलैंड या स्विट्जरलैंड जाएंगी। पर इससे पहले ही राखी का दिल टूट गया है। खबर आ रही है कि डोडी खान ने राखी से शादी के लिए इनकार कर दिया है। डोडी खान ने उनसे शादी करने से इनकार कर दिया है। गुरुवार रात डोडी खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड करके स्पष्ट किया कि वह राखी से शादी नहीं करने जा रहे हैं। इस पर रिएक्शन देते हुए राखी ने कमेंट सेक्शन में आंसू भरी आंखें और टूटे हुए दिल वाले कई इमोजी पोस्ट किए।

तमिलनाडु की नर्मदा ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, कर्नाटक पदक तालिका में शीर्ष पर कायम

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक ने गुरुवार को तैराकी में एक स्वर्ण और एक रजत के साथ-साथ पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा में भी सोने का तमगा हासिल किया। वह 12 पदक (7 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य) लेकर पहले स्थान पर बना हुआ है।

तमिलनाडु की पूर्व विश्व कप विजेता निशानेबाज नर्मदा नितिन राजू ने राष्ट्रीय खेलों में गुरुवार को यहां अपनी प्रबल प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 10 मीटर एयर राइफल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कर्नाटक पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। 23 वर्षीय नर्मदा ने 254.4 का स्कोर बनाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया तथा एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कर्नाटक ने गुरुवार को तैराकी में एक स्वर्ण और एक रजत के साथ-साथ पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा में भी सोने का तमगा हासिल किया। वह 12 पदक (7 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य) लेकर पहले स्थान पर बना हुआ है। वुशु और ट्रायथलॉन में एक-एक स्वर्ण पदक जीतने के बाद मणिपुर 11 पदक (6 स्वर्ण, 5 रजत) के साथ दूसरे स्थान पर है।

पिछले राष्ट्रीय खेलों में पदक तालिका में शीर्ष पर रहने वाले महाराष्ट्र ने अब तक सबसे अधिक 23 पदक (4 स्वर्ण, 11 रजत, 8 कांस्य) जीते हैं लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या कम होने के कारण वह तीसरे स्थान पर है।

देहरादून में त्रिशूल शूटिंग रेंज में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं नर्मदा ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 254.4 के स्कोर के साथ पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया तथा महाराष्ट्र की आर्या बोरसे (252.5) और रमिता (230.4) को पछाड़ा। इस प्रक्रिया में उन्होंने ओलंपियन अपूर्वी चंदेला के नयी दिल्ली में 2019 विश्व कप में बनाए गए 252.9 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड 254.5 अंक का है जो पिछले साल नयी दिल्ली में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में चीन की हुआंग युटिंग ने बनाया था। इस बीच हरियाणा के 2022 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अनीष भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 31 हिट से स्वर्ण पदक जीता। सेना के गुरप्रीत सिंह 28 हिट से दूसरे और पंजाब के विजयवीर सिद्धू 26 हिट से तीसरे स्थान पर रहे।

भारोत्तोलन में छत्तीसगढ़ ने दो स्वर्ण पदक जीते। उसके भारोत्तोलक विजय कुमार ने पुरुषों के 55 किग्रा भार वर्ग के क्लीन एवं जर्क में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता। छत्तीसगढ़ की एक अन्य भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने महिलाओं के 49 किग्रा में कुल 191 किग्रा (85 किग्रा+106 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की सारिका शिंगारे (कुल 179 किग्रा) और हरियाणा की कोमल कोहर (179 किग्रा) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। विजय कुमार ने स्नैच में 105 किग्रा भार उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में 143 किग्रा के साथ कुल 248 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

क्लीन एवं जर्क में उन्होंने महाराष्ट्र के संकेत सरगर के 2022 में बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। महाराष्ट्र के खिलाड़ियों मुकुंद अहेर (कुल 247 किग्रा) और श्रीनिवास गौड़ (244 किग्रा) ने रजत और कांस्य पदक जीता। भारोत्तोलन प्रतियोगिता के शुरुआती दिन गुरुवार को महाराष्ट्र ने छह पदक (एक स्वर्ण, एक रजत, चार कांस्य) जीते। ट्रायथलॉन में भी, महाराष्ट्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छह पदक (दो स्वर्ण, दो रजत, दो कांस्य) हासिल किए।

चेसः

विश्व चैंपियन गुकेश ने वारमेरडम को 34 चालों में हराया

2800 रेटिंग के करीब, प्रज्ञानंद भी जीते

विज्क आन जी, एजेंसी। गुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश की शानदार फॉर्म का क्रम जारी है। उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए अपने शीर्ष स्थान कायम रखा है। गुकेश ने दसवें दौर में काले मोहरों से खेलते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर मैक्स वारमेरडम को 34 चालों में हरा दिया।

उनके 7.5 अंक हो गए हैं और टूर्नामेंट में तीन दौर शेष हैं। इस जीत के साथ देश के नंबर एक खिलाड़ी गुकेश 2800 की रेटिंग के करीब पहुंच गए हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (7) ने सर्बिया के एलेक्सी सराना (5) को हराकर अपना दूसरा स्थान कायम रखा है। वहीं, आर प्रज्ञानंद ने व्लादीमीर फेदोसीव को हराकर तीसरे स्थान पर जगह बना ली। उनके 6.5 अंक हैं।

गुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

प्रज्ञानंद ने सफेद मोहरे से फेदोसीव के खिलाफ मध्य गेम में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। प्रज्ञानंद ने 48 चालों में जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में पी हरिकृष्णा (4.5) ने विश्व नंबर दो अमेरिका के फैबियानो कारुआना (5.5) को 68 चालों में ड्रॉ खेलने पर मजबूर कर दिया। हरिकृष्णा सफेद मोहरों से खेल रहे थे।

अर्जुन फिर नहीं जीते

अर्जुन एरिगेसी का खराब फॉर्म का दौर जारी है। उन्होंने 10वें दौर में भी ड्रॉ खेला। अर्जुन को जर्मनी के विन्सेंट कीमर (4) ने बराबरी पर रोका। अर्जुन को टूर्नामेंट में अब तक जीत नहीं मिली है। एक अन्य भारतीय लियोन ल्यूक मेंडोंका (3) ने स्थानीय खिलाड़ी अनीष गिरी (5) को बराबरी पर रोका। चैलेंजर वर्ग में आर वैशाली (5) को चेक गणराज्य की एनगुएन थाई वान डैम (7.5) के हाथों हार मिली।

सचिन तेंदुलकर 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित होंगे

मुंबई, एजेंसी। पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को शनिवार को यहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक समारोह में बोर्ड के 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भारत के लिए 664 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 51 वर्षीय तेंदुलकर के नाम क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक टेस्ट और वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड है। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'हां, उन्हें वर्ष 2024 के लिए सी के नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। तेंदुलकर के 200 टेस्ट और 463 एकदिवसीय मैच क्रिकेट इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक हैं। उन्होंने वनडे में 18,426 रनों के अलावा 15,921 टेस्ट रन बनाए। उन्होंने अपने शानदार करियर में केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री और पूर्व दिग्गज विकेटकीपर फारुख इंजीनियर को यह पुरस्कार मिल चुका है।

जारा यासमिन को युजवेंद्र चहल ने किया प्रपोज? एक्ट्रेस ने खोला राज

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले कुछ दिनों से अपने पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. पहले धनश्री वर्मा से उनके तलाक की खबरें सामने आई थीं. वहीं कुछ दिनों के बाद आरजे महविश को डेट करने की अफवाह उड़ी थी. फिर चहल की इंस्टाग्राम स्टोरी का एक स्क्रीनशॉट काफी वायरल हुआ, जिसमें वह फेस ब्लर करके किसी से वीडियो कॉल करते हुए नजर आए थे.

अब उनका एक पुराना अफेयर सुर्खियों में आ गया है. दरअसल, मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उन्होंने एक्ट्रेस जारा यसमिन को इंस्टाग्राम लाइव चैट में प्रपोज कर दिया था. अब एक्ट्रेस ने इन सभी राज से पर्दा उठाया है. एक्ट्रेस

ने जारा यासमिन ने अपने और युजवेंद्र चहल के बीच रिश्ते को लेकर बात की है. उन्होंने दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहों से पर्दा उठा दिया है. दरअसल, उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि कोविड के समय दोनों के बीच अचानक चैट का प्लान बना था. इस दौरान चहल उनसे पूछ रहे थे कि वो खाना कैसे पका रही थीं, क्योंकि लॉकडाउन की वजह से कोई मेड की सुविधा उपलब्ध नहीं थी.

तभी उन्होंने जारा से कहा था कि वो किसी भी वक्त शादी करके सभी को चौंका सकते हैं. हालांकि, उन्होंने किसी का भी नाम लिया था, लेकिन इसके बाद ऐसी खबरें आने लगी थीं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. इससे दोनों हैरान रह गए थे.

अंडर-19 वर्ल्ड कपः

भारत ने इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर फाइनल में बनाई जगह, लगातार दूसरा खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरी बार अंडर19 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को मात दी और अपनी जगह पक्की की। निकी प्रसाद की कप्तानी वाली भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय है। पहले मैच में मेजबान मलेशिया को दस विकेट से हराने के बाद भारत ने श्रीलंका को 60 रन से और बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया।

भारत का सामना साउथ अफ्रीका से

वहीं सुपर सिक्स चरण में स्कॉटलैंड को 150 रन से मात दी। भारत ने सेमीफाइनल में भी यही क्रम जारी रखा। खिताब के लिए उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा जिसने अन्य सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात दी।

इंग्लैंड ने बनाए थे 118 रन

इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 113 रन बनाए। भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 15 ओवर में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम लगातार दूसरी

बार फाइनल में पहुंची है। साल 2023 में पहली बार हुए इस टूर्नामेंट के फाइनल में भी भारत ने इंग्लैंड को ही हराकर खिताब अपने नाम किया था।

जी कामलिनी ने लगाया अर्धशतक

भारतीय टीम को जीत के लिए 114 रनों का लक्ष्य मिला था। जी कमालिनी और जी तृषा ओपनिंग करने उतरी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई। तृषा 29 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुई। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके लगाए। भारत ने इसके बाद कोई विकेट नहीं खोया। कामलिनी और सानिका चलके ने टीम को 15 ओवर में ही जीत तक पहुंचा दिया। कामलिनी ने 50 गेंदों में 56 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके शामिल थे। वहीं सानिका ने 12 गेंदों में 11 रन बनाए। उनकी पारी में एक ही चौका लगा।

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई

क्वालालंपुर, एजेंसी। एश्ले वैन विक (चार विकेट) के बाद जेम्मा बोथा (37), और कप्तान कायला रेनेके (26) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली हैं। ऑस्ट्रेलिया के 105 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने दो विकेट जल्द ही गवां दिए। हालांकि इस दौरान सलामी बल्लेबाज जेम्मा बोथा एक छोर थामे तेजी से रन बनाती रही।

उन्होंने 24 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (37) रनों की आतिशी पारी खेली। कप्तान कायला रेनेके ने 26 गेंदों में तीन चौकों की मदद से (26) रन बनाए। करबो मेसो (19) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका ने 18.1 ओवर में पांच विकेट पर 106 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से हसरत गिल और लूसी हैमिल्टन ने दो-दो विकेट लिये। क्लो एंसवर्थ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 12 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। इसके बाद कप्तान लूसी हैमिल्टन और काओइमहे ब्रे ने पारी को संभालने का प्रयास किया। तीसरे विकेट के रूप में लूसी हैमिल्टन (18) रन बनाकर आउट हुई। काओइमहे ब्रे (36) रन बनाकर आउट हुई। एला ब्रिस्को ने 17 गेंदों में चार चौके लगाते हुए (नाबाद 27) रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 105 रन का स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका के लिए एश्ले वैन विक ने चार विकेट लिए। अंथाबिसेंग निनी, कायला रेनेके और सेश्नी नायडू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाकिस्तान ने फिर कटवाई नाक!

ICC की डेडलाइन मिस करने पर लग सकती है फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन शुरू होने से पूर्व पाकिस्तान पर लगातार सवाल उठ रहे हैं. जैसे-जैसे टूर्नामेंट शुरू होने की तारीख (19 फरवरी) पास आ रही है, वैसे-वैसे मैदानों की तैयारी की अलग-अलग तस्वीरें सामने आती रही हैं. रावलपिंडी, कराची और लाहौर के मैदानों में कहीं बैठने की व्यवस्था पूरी नहीं हो पाई है, तो कहीं निर्माण कार्य अब भी चल ही रहा है. अब मैदानों की तैयारी को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है.

एक सूत्र ने बताया है कि मैदान 11 फरवरी तक ब्रांडिंग और अन्य कार्यों के लिए आईसीसी को सौंप दिए जाएंगे. आपको याद दिला दें कि आईसीसी ने मैदानों को सौंपे जाने के लिए आखिरी तारीख 31 जनवरी सेट की थी. मगर रिपोर्ट कुछ और ही बयां कर रही है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड डेडलाइन को मिस करने वाला है. सूत्र ने यह भी बताया कि मैदान

को फिनिशिंग टच देने का कार्य शुरू हो गया है, लेकिन अभी मैदान में कुछ जगह निर्माण कार्य के कारण पत्थर पड़े हैं जिन्हें जल्द ही हटा दिया जाएगा. पाकिस्तान के एक विख्यात मीडिया संस्थान ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी करके दावा किया कि डेडलाइन के भीतर मैदानों का निर्माण कार्य पूरा होना असंभव लगता है. फिर भी पीसीबी अधिकारी बार-बार कहते आए हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट से पहले ही मैदान तैयार हो चुके होंगे. कराची मैदान के निर्माण कार्या पर भी सबकी नजरें टिकी हुई हैं क्योंकि टूर्नामेंट का पहला मैच 19 फरवरी को इसी मैदान पर खेला जाना है. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा.

यह भी बताते चलें कि पीसीबी ने कराची, रावलपिंडी और लाहौर के मैदानों के नवीकरण में 1,200 करोड़ पाकिस्तानी रुपये खर्च किए हैं. यह रकम भारतीय मुद्रा में करीब 373 करोड़ रुपये के बराबर है. टिकटों की बिक्री शुरू हो चुकी है, लेकिन अब तक मैदानों की पूर्ण तैयारियों का कुछ अता-पता ही नहीं है.

विराट कोहली मात्र 6 रन पर बोल्ड स्टार बल्लेबाज के पवेलियन लौटते ही स्टेडियम में छाया सन्नाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ लीग चरण के मैच के दूसरे दिन विराट कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी पर सिर्फ 15 गेंदें ही खेल पाए। घरेलू दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कोहली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने उनका ऑफ स्टंप गिरा दिया। अच्छी लेंथ की फुलर साइड पर आने वाली गेंद पर आगे बढ़ते हुए कोहली ने लाइन के पार एक असामान्य स्वाइप करने का प्रयास किया लेकिन कोहली नाकाम रहे और गेंद ऑफ स्टंप पर जा लगी। कोहली ने एक चौके की मदद से मात्र 6 रन ही बनाए। कोहली को पहले दोनों छोर पर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर तेज गेंदबाजों ने परेशान किया था, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके आउट होने का एक पैटर्न देखने को मिला था।

कोहली के विकेट ने एक छोटी सी गिरावट की शुरुआत की, क्योंकि दिल्ली ने अपने अगले ओवर में सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को हिमांशु के हाथों खो दिया। 30 ओवर की समाप्ति पर दिल्ली ने चार विकेट पर 103 रन बनाए और रेलवे के पहली पारी के स्कोर से 141 रन पीछे थी।

स्टेडियम में सन्नाटा छाया

कोहली की निराशाजनक पारी के बाद स्टेडियम में सन्नाटा छा गया और दर्शकों का एक बड़ा हिस्सा तितर-बितर हो गया, साथ ही पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली पवेलियन में डगआउट में वापस चले गए। गेट नंबर 16 और 17 पर सुबह 6:30 बजे से ही भारी भीड़ जमा होने लगी थी, जबकि उन्हें आम जनता के लिए खोले जाने से दो घंटे पहले ही गेट नंबर 16 और 17 पर भारी भीड़ जमा हो गई थी।

भारतीय खिलाड़ियों से मैदान पर दोस्ताना व्यवहार ना करें पाकिस्तानी प्लेयरः पूर्व कप्तान

कराची, एजेंसी। पूर्व कप्तान और मुख्य कोच मोईन खान ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से आग्रह किया है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को दुबई में होने वाले मैच में वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ दोस्ताना व्यवहार नहीं करें। मोईन ने अभिनेता उशना शाह से एक पॉडकास्ट में कहा, 'जब मैं इन दिनों पाकिस्तान और भारत के मैच देखता हूं तो मुझे यह समझ नहीं आता है कि जैसे ही भारतीय खिलाड़ी क्रीज पर आते हैं, हमारे खिलाड़ी उनके बल्ले की जांच करते हैं, उन्हें थपथपाते हैं और दोस्ताना बातचीत करते हैं।

भारत के खिलाफ कई मैच खेलने वाले मोईन ने कहा कि वह विपक्षी खिलाड़ियों के प्रति सम्मान रखने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उनके साथ जरूरत से ज्यादा मित्रता रखना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारे सीनियर खिलाड़ी हमें बताया करते थे कि भारत के खिलाफ खेलते समय कोई शिकायत न करें और मैदान पर उनसे बात करने की भी जरूरत नहीं है। जब आप उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करते हैं तो वे इसे आपकी कमजोरी मान लेते हैं। मोईन ने कहा, 'आजकल भारत के खिलाफ खेलते समय हमारे खिलाड़ियों का व्यवहार मेरे लिए समझ से परे है। यहां तक कि मैदान के बाहर भी पेशेवर खिलाड़ी होने के कारण आपकी कुछ सीमाएं होनी चाहिए।

ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी और मुद्रा के इस्तेमाल का प्रयास करेंगे तो वह उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा देंगे। ट्रंप ने कहा कि ब्रिक्स देश कोई और मूर्ख देश ढूंढ लें। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करें और हम खड़े होकर बस देखते रहें, इस तरह के विचारों के दिन खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह ब्रिक्स देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे न ही अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। ट्रंप ने कहा, नहीं तो, उन्हें 100 प्रतिशत शुल्क का सामना करना लेगा या फिर शानदार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बिक्री को अलविदा कहने की उम्मीद करनी चाहिए।

उन्होंने धमकी देते हुए कहा, वे (ब्रिक्स देश) कोई दूसरा मूर्ख देश ढूंढ सकते हैं। इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा। हालांकि जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे शुल्क को नमस्ते और अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए। ट्रंप ने ब्रिक्स सदस्य देशों द्वारा अपनी मुद्रा जारी करने के किसी भी कदम की बार-बार आलोचना की है और यह अब तक का उनका सबसे कड़ा विरोध है। दिसंबर में भी ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को इस तरह के कदम के खिलाफ चेतावनी दी थी। ब्रिक्स दस देशों - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात का एक अंतर-सरकारी संगठन है। 2009 में गठित ब्रिक्स एकमात्र प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसका अमेरिका हिस्सा नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में इसके कुछ सदस्य देश विशेष रूप से रूस और चीन अमेरिकी डॉलर का विकल्प या ब्रिक्स मुद्रा बनाने की मांग कर रहे हैं। ब्रिक्स के एक महत्वपूर्ण स्तंभ भारत ने कहा है कि वह डी-डॉलराइजेशन (विश्व व्यापार और वित्तीय लेनदेन में डॉलर के उपयोग में उल्लेखनीय कमी) के खिलाफ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिसंबर में कहा था कि भारत कभी भी डी-डॉलराइजेशन के पक्ष में नहीं रहा है और ब्रिक्स मुद्रा बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

हेलीकॉप्टर और जेटलाइनर के बीच हुई भीषण टक्कर मामला

अमेरिका में विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों में प्रवासी भारतीय महिला भी शामिल

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सेना के एक हेलीकॉप्टर और जेटलाइनर के बीच हुई भीषण टक्कर में मारे गए 67 लोगों में प्रवासी भारतीय महिला असरा हुसैन रजा भी शामिल है। मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली। अमेरिका में 2001 के बाद से यह सबसे घातक विमान दुर्घटना है। घटना बुधवार रात को उस समय हुई जब अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान 5342, हवाई अड्डे के पास पहुंचते ही सेना के हेलीकॉप्टर से टकरा गई। रजा (26) के ससुर डॉ. हाशिम रजा ने सीएनएन को बताया कि घटना में मारे गए लोगों में उनकी बहू भी शामिल है। हाशिम ने बताया कि रजा ने 2020 में इंडियाना विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि ली थी।

उनका बेटा और रजा एक ही कॉलेज में पढ़ते थे और अगस्त 2023 में दोनों ने शादी की थी। उनके ससुर ने बताया कि रजा वाशिंगटन में एक सलाहकार थीं, जो एक अस्पताल से जुड़ी परियोजना पर काम कर रही थीं और इस सिलसिले में वह महीने में दो बार चिचिटा जाती थीं। उन्होंने सीएनएन को बताया कि वह अक्सर देर रात आपातकालीन कक्ष में शिफ्ट खत्म होने के बाद उन्हें फोन करती थीं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि घर लौटते समय वह जगे रहें। उनके ससुर ने कहा, वह हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देती थीं। दुर्घटना में मारी गई रजा के पति ने कहा कि उनकी पत्नी ने उन्हें संदेश भेजा था कि उनका विमान उतरने वाला है, लेकिन जब वह उन्हें लेने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे, तब तक उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल चुकी थी। हमाद रजा ने बताया, उसने (असरा रजा ने) कहा, हम 20 मिनट में उतरने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ए आखिरी शब्द थे जो उन्होंने अपनी पत्नी से सुने थे। एनबीसी वाशिंगटन ने हमाद के हवाले से बताया, मैं इंतजार कर रहा था और मैंने देखा कि ईएमएस (आपातकालीन चिकित्सा सेवा) के कई वाहन मेरे पास से तेजी से गुजर रहे हैं, जो असामान्य सा लगा। और मेरे संदेश भी नहीं जा रहे थे। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं घबराया हुआ था और बदहवास सा यही सोच रहा था कि हमारे साथ कुछ तो बुरा हुआ है। आखिर में मेरा डर सच निकला क्योंकि यह वही विमान था जिसमें मेरी पत्नी थी।

जन्मजात नागरिकता गुलामों के बच्चों के लिए थी, अमेरिका में भीड़ लगाने के लिए नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जन्मजात नागरिकता मुख्य रूप से गुलामों के बच्चों के लिए थी, पूरे विश्व के लोगों के अमेरिका आने और भीड़ लगाने के लिए नहीं। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के पहले ही दिन जन्मजात नागरिकता के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश पारित किया था, जिसे अगले दिन सिएटल में एक संघीय अदालत ने रद्द कर दिया था। ट्रंप ने कहा है कि वह इसके खिलाफ अपील करेंगे। उन्होंने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि उच्चतम न्यायालय उनके पक्ष में फैसला सुनाएगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, अगर आप पीछे मुड़कर देखें तो जन्मजात नागरिकता गुलामों के बच्चों के लिए थी। इसका मतलब यह नहीं था कि पूरी दुनिया आकर अमेरिका में भीड़ लगा दे। उन्होंने कहा, हर कोई आ रहा है। पूरी तरह से अयोग्य लोग आ रहे हैं, जिनके बच्चे भी शायद अयोग्य हों। उसका (जन्मजात नागरिकता का) मतलब यह तो नहीं था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उच्चतम न्यायालय में हमारी जीत होगी। मेरे हिसाब से हम इस मामले में जीत हासिल करेंगे। आव्रजन अध्ययन केंद्र का अनुमान है कि 2023 में अवैध आप्रवासियों से 2,25,000 से 2,50,000 बच्चे पैदा हुए।

ट्रंप ने सीरिया से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने संबंधी सवाल का जवाब देने से किया इनकार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बताने से इनकार कर दिया कि वह सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती बरकरार रखना चाहते हैं या नहीं। बृहस्पतिवार को जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस्लामिक स्टेट समूह के खिलाफ लड़ाई के लिए सीरिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाना चाहते हैं तो उन्होंने कहा, हम इस बारे में फैसला लेंगे। हम सीरिया में दखल नहीं दे रहे। सीरिया की समस्याएं उसकी अपनी समस्याएं हैं। वहां पर बहुत सारी समस्याएं हैं। उन्हें हर चीज में हमारे दखल की जरूरत नहीं है। इससे पहले ट्रंप ने दिसंबर में विद्रोहियों द्वारा सीरियाई नेता बशर अल-असद को अपदस्थ करने से ठीक पहले कहा था कि अमेरिकी सैनिकों को सीरिया से वापस बुला लेना चाहिए। अमेरिका कई वर्षों से कहता रहा है कि सीरिया में लगभग 900 सैनिक तैनात हैं, लेकिन अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने दिसंबर में कहा था कि सैनिकों की संख्या बढ़कर 2,000 हो गई है। सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी को लेकर अमेरिका और सीरिया के पड़ोसी देशों तुर्की व इराक के बीच लंबे समय से टकराव रहा है। तुर्की और इराक चाहते हैं कि अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सीमित की जाए जबकि इजराइल का कहना है कि अमेरिका को देश में सैनिकों की मौजूदगी बरकरार रखनी चाहिए।

अमेरिका में हुई विमान दुर्घटना के समय नियंत्रण टॉवर में कर्मियों की संख्या सामान्य नहीं थी : रिपोर्ट

आर्लिंगटन (अमेरिका)। वाशिंगटन के समीप हेलीकॉप्टर और विमान की हुई टक्कर के समय हवाई यातायात नियंत्रण टावर में कर्मियों की संख्या पर्याप्त नहीं थी। संघीय विमानन प्रशासन की बृहस्पतिवार को प्राप्त हुई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि सेना के एक हेलीकॉप्टर और कंसास से आ रहे अमेरिकन एयरलाइंस के विमान की टक्कर के कारण दोनों में सवार सभी 67 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमानन दुर्घटना के बाद वे सैन्य पायलट के कार्यों की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार देर रात पोटोमैक नदी के बर्फीले पानी से कम से कम 28 शव निकाले गए। यह घटना उस समय हुई जब वाशिंगटन के निकट रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय हेलीकॉप्टर यात्री विमान के रास्ते में आ गया। विमान में 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे जबकि हेलीकॉप्टर में तीन मौजूद थे।

भारतीय मूल के सामाजिक कार्यकर्ता की गांधीजी के समकालीन कम्यून को बहाल करने को लेकर तारीफ

जोहानिसबर्ग। गांधीजी की 77वीं पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को यहां स्मरणोत्सव समारोह का नेतृत्व करने वाले भारतीय मूल के कार्यकर्ता मोहन हीरा की दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी के तत्कालीन कम्यून टॉलस्टॉय फार्म को पुनर्स्थापित करने के प्रयासों को लेकर सराहना की गई। प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित हीरा ने याद किया कि कैसे चार दशक से भी अधिक समय पहले, उन्हें यह देखकर बहुत दुख हुआ था कि टॉलस्टॉय फार्म में गांधीजी के लोहे और लकड़ी के आवास एवं अन्य इमारतों को पूरी तरह से तोड़ दिया गया है तथा उस क्षेत्र में ऊंची-ऊंची घास उग आई। यहां भारतीय वाणिज्य दूतावास का प्रतिनिधित्व कर रहे सुमिति राव ने कहा, टॉलस्टॉय फार्म के बारे में चर्चा मोहन भाई और उनके योगदान का जिक्र किए बिना नहीं हो सकती। उन्होंने (हीरा ने) टॉलस्टॉय फार्म में महात्मा गांधी और उनके काम की याद को जिंदा रखने के लिए अपने निजी प्रयास, पसीना, मेहनत और समर्पण का परिचय दिया है। पहली बार इस स्थान का दौरा कर रहे राव ने कहा, टॉलस्टॉय फार्म आने वाले किसी भी भारतीय के लिए यह तीर्थयात्रा से कम नहीं है, इसलिए यहां आना सौभाग्य की बात है। हीरा ने कहा, कई व्यक्तियों के सहयोग से, हमने महात्मा गांधी रिमेम्ब्रेंस ओर्गनाइजेश (एमजीआरओ) का गठन किया और इसके पूर्व गौरव को बहाल करने के लिए लंबे समय तक काम किया। हीरा को (भारत के) राष्ट्रपति से 2023 में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला था। हीरा ने टॉलस्टॉय फार्म में स्थापित करने के लिए भारत में ही गांधी और नेल्सन मंडेला की आवक्ष प्रतिमाएं और प्रतिमाएं बनवाने की व्यवस्था की। उन्होंने सब्जी के बागान और फलों के पेड़ लगवाए जो एक समय टॉलस्टॉय फार्म पर गांधी और उनके अनुयायियों के लिए एक फलफूल रहे थे, जब वे उस समय के भेदभावपूर्ण कानूनों के खिलाफ लड़ रहे थे।

इमरान खान की पार्टी ने वार्ता बहाल करने की सरकार की पेशकश ठुकराई

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी प्रमुख ने सरकार के साथ रुकी हुई बातचीत संसदीय समिति के माध्यम से फिर से शुरू करने संबंधी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पेशकश को खारिज कर दिया। जियो न्यूज के अनुसार, शहबाज ने बृहस्पतिवार को मंत्रिमंडल की एक बैठक को संबोधित किया और कहा कि सरकार इमरान खान की पार्टी के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए एक संसदीय समिति गठित करने को तैयार है। इमरान द्वारा गठित पार्टी ने 9 मई 2023 और 26 नवंबर 2024 की घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन न करने पर बातचीत बंद कर दी है।

जियो न्यूज के कार्यक्रम कैपिटल टॉक में, इमरान की पार्टी के शीर्ष नेता और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने कहा, हम प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की (बातचीत फिर से शुरू करने की) पेशकश को खारिज करते हैं। पार्टी की मांगों को दोहराते हुए अयूब ने कहा, हमारी मांगें स्पष्ट हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई की अपील की। एक बयान में, सरकार की वार्ता समिति के प्रवक्ता सीनेटर इरफान सिद्दीकी ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने एकतरफा बातचीत से पीछे हटकर गैर-लोकतांत्रिक और गैर-राजनीतिक मानसिकता का प्रदर्शन किया है। इमरान की पार्टी की आंदोलनकारी राजनीति की आलोचना करते हुए पीएमएल-एन के सीनेटर ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने न तो अतीत में धरना-प्रदर्शन और लंबे मार्च के जरिए अपना उद्देश्य हासिल किया है और न ही इस बार ऐसा होगा।

न्यूज ब्रीफ

म्यांमा की सैन्य सरकार ने आपातकाल की अवधि छह महीने के लिए बढ़ाई

» बैंकॉक, भाषा।

म्यांमा की सैन्य सरकार ने चुनाव की तैयारी के लिए अपना कार्यकाल छह महीने के लिए और बढ़ाने की शुक्रवार को घोषणा की। सैन्य सरकार ने कहा है कि चुनाव इसी साल होंगे। हालांकि, चुनाव की सटीक तारीख की घोषणा नहीं की गई है। सेना ने एक फरवरी, 2021 को आपातकाल की घोषणा के साथ देश की शीर्ष नेता आंग सान सू की और उनकी सरकार के कई नेताओं, अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया था। सेना के इस कदम से पांच दशक के सैन्य शासन के बाद देश में लोकतंत्र की दिशा में वर्षों की प्रगति थम गई।तख्तापलट के बाद सशस्त्र प्रतिरोध आंदोलन शुरू हुआ, जिसमें शक्तिशाली जातीय अल्पसंख्यक सशस्त्र समूहों और म्यांमा के मुख्य विपक्ष का समर्थन कर रहे जन रक्षा बल अब देश के बड़े हिस्से पर काबिज है।

सत्ता में आने के बाद से सैन्य सरकार सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही है और देश के अधिकतर हिस्सों में रक्षात्मक स्थिति में है। हालांकि, इसका अब भी मध्य म्यांमा के ज्यादातर इलाकों और राजधानी ने पी ता सहित बड़े शहरों पर नियंत्रण है। सरकारी एमआरटीवी टेलीविजन ने शुक्रवार को बताया कि राष्ट्रीय रक्षा एवं सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से आपातकाल की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे पहले सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिंग आंग हाइंग ने कहा था कि देश में स्थिरता बहाल करने और चुनाव कराने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। परिषद संवैधानिक प्रशासनिक सरकारी निकाय है, लेकिन मूल रूप में इसे सेना द्वारा नियंत्रित किया जाता है। सेना द्वारा तैयार 2008 के संविधान के तहत, सेना एक वर्ष के लिए आपातकाल की स्थिति में देश पर शासन कर सकती है।

अमेरिका व चीन के बीच घटी घटनाओं पर आधारित होगा 21वीं सदी का इतिहास : रूबियो

» वाशिंगटन, भाषा।

चीन को अमेरिका के लिए एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा बताते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि 21वीं सदी का इतिहास मुख्य रूप से दोनों देशों के बीच घटित घटनाओं पर आधारित होगा। रूबियो ने बृहस्पतिवार को मेगन केली शो में मेगन केली को दिए साक्षात्कार में कहा, चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है और वे ऐसा हमारी कीमत पर करना चाहते हैं। यह हमारे राष्ट्रीय हित में नहीं है और हम इस पर ध्यान देने जा रहे हैं। हम इस पर युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन हम इस पर गौर करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, चीन के मामले में दो बातें हैं...एक तो वे हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैंअ और दूसरी यह परिपक्व अहसास है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चीन एक समृद्ध और शक्तिशाली देश बनने जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका को इससे निपटना होगा। उन्होंने कहा, 21वीं सदी का इतिहास मुख्य रूप से अमेरिका और चीन के बीच हुई घटनाओं पर आधारित होगा।

इसलिए हमारा यह दिखावा करना कि हम किसी भी तरह से उनके साथ बातचीत नहीं करने जा रहे हैं, बेतुका है। रुबियो ने राष्ट्रीय

हितों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया तथा अमेरिका की दशकों पुरानी नीतियों की आलोचना की, जिसके तहत चीन को एक विकासशील देश माना गया तथा यह मानकर उसे अनुचित व्यापार और प्रौद्योगिकी प्रथाओं का फायदा उठाने दिया गया कि वह अमेरिकी मूल्यों को अपना लेगा। इसके बजाय, उन्होंने कहा, चीन बिना किसी बदलाव के समृद्ध होता गया और अब भी इन लाभों की तलाश कर रहा है। विदेश मंत्री बनने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में रूबियो ने कहा, इसे रोकना होगा। उन्होंने कहा कि विश्व के बारे में चीन की धारणा यह है कि 2035 या 2050 तक वे अनिवार्यतः विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि चीन एक बड़ी अर्थव्यवस्था वाली महान शक्ति है और वह वैश्विक शक्ति बनेगा, लेकिन यह अमेरिका की कीमत पर नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, अंततः जब आप चीन जैसी महान शक्तियों के साथ काम कर रहे हैं, तो यह उनके राष्ट्रपति और हमारे राष्ट्रपति के उच्चतम स्तर पर होगा। एक प्रश्न के उत्तर में रूबियो ने कहा कि अमेरिका चीन को पनामा नहर पर नियंत्रण नहीं करने देगा। उन्होंने कहा, हम किसी भी विदेशी ताकत - खासकर चीन - को इस तरह का संभावित नियंत्रण रखने की अनुमति नहीं दे सकते, जैसा कि वे कर रहे हैं। ऐसा जारी नहीं रह सकता।

ग्रीनलैंड और पनामा नहर में ट्रंप की रुचि जायज है : रूबियो

वाशिंगटनापनामा सिटी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने और पनामा नहर पर पुनः नियंत्रण करने की इच्छा को आर्कटिक व लैटिन अमेरिका में चीनी गतिविधि तथा प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंताओं से उत्पन्न वैध राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से प्रेरित बताया है। इस सप्ताह के अंत में पनामा से शुरू होने वाली मध्य अमेरिका की यात्रा से पहले रूबियो ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह यह पूर्वानुमान नहीं लगा सकते कि ट्रंप अपने कार्यकाल के दौरान डेनमार्क से ग्रीनलैंड खरीदने में सफल होंगे या पनामा नहर पर अमेरिकी अधिकार बहाल करने में। उन्होंने कहा कि लेकिन ट्रंप द्वारा दोनों पर दिया जाने वाला ध्यान प्रभाव डालेगा।रूबियो ने एक साक्षात्कार में कहा, मैं समझता हूं कि आप इस बात से निश्चिंत हो सकते हैं कि आज से चार वर्ष बाद आर्कटिक में हमारा हित अधिक सुरक्षित होगाअ पनामा नहर में हमारा हित ज्यादा सुरक्षित होगा। रूबियो अमेरिका के शीर्ष राजनयिक के रूप में अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर शनिवार को पनामा पहुंचेंगे, जिससे यह संकेत मिलेगा कि वह और ट्रंप दोनों ही नहर की सुरक्षा को कितना महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि नहर के प्रशांत और कैरीबियाई दोनों छोर पर बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे तथा सुविधाओं में चीनी निवेश बड़ी चिंता का कारण है, जिससे पनामा और महत्वपूर्ण नौवहन मार्ग चीन के लिहाज से संवेदनशील हो गया है। रुबियो ने कहा, वे (चीनी कंपनियां) पूरे पनामा में हैं। वहीं पनामा में देश के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने बृहस्पतिवार को कहा कि पनामा नहर के स्वामित्व को लेकर अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी।

बांग्लादेश : वार्षिक विश्व इज्तेमा कार्यक्रम में हजारों मुस्लिम शामिल हुए

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की राजधानी के निकट एक नदी तट पर शुक्रवार को हजारों लोग विश्व इज्तेमा में शामिल हुए। विश्व इज्तेमा मुस्लिम जायरीनों का वैश्विक समागम है जिसमें लोग इस्लामी विद्वानों के उपदेश सुनने के लिए एकत्र हुए। तीन दिवसीय वार्षिक समारोह रविवार को समाप्त होगा, जब हर वर्ष की तरह लाखों मुसलमानों के अंतिम प्रार्थना में शामिल होने की उम्मीद है। यह विश्व इज्तेमा का पहला चरण है, जबकि दूसरा चरण 3-5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। तीसरा चरण 14-16 फरवरी को आयोजित किया जाएगा।

विश्व इज्तेमा मुस्लिम जायरीनों का सबसे बड़ा समागम है, जो राजधानी ढाका के ठीक उत्तर में टोंगी में तुराग नदी के रेतीले तट पर आयोजित किया जाता है। इस आयोजन की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी, जब तबलीगी जमात ने इस आयोजन की मेजबानी शुरू की। आयोजन समिति के प्रवक्ता हबीबुल्लाह रेहान ने बताया कि पहले चरण के समागम में 72 देशों के लगभग 2,150 विदेशी मुसलमान भी शामिल हुए।

संघर्ष के दौरान 46 थाई नागरिक मारे गए थाइलैंड के पांचों बंधक सेना के एक हेलीकॉप्टर से उतरकर अस्पताल में दाखिल हुए

गाजा पट्टी से 15 महीने की कैद के बाद रिहा किए गए पांचों थाई बंधक स्वस्थ : इजराइली चिकित्सक

» बीर याकोव (इजराइल), भाषा।

गाजा पट्टी में एक वर्ष से अधिक समय तक बंधक बनाए गए थाईलैंड के एक व्यक्ति को रिहाई के बाद बृहस्पतिवार को जब फेसबुक लाइवस्ट्रीम पर देखा गया तो वह इतना बदल चुका था कि एक पल के लिए उसकी मां तक उसे नहीं पहचान पाई। सुरसाक लमनाउ (32) को सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल के शहर एशा से अगवा किया गया था। उसकी मां खम्मी लमनाउ ने कहा कि उनके बेटे का चेहरा पीला पड़ गया और वह सूजन से फूला हुआ दिख रहा था। अपने बेटे की रिहाई के बाद एसोसिएटेड प्रेस के साथ वीडियो कॉल पर खम्मी ने कहा, मैं इतनी खुश थी कि मेरी भूख प्यास सब बंद हो गई, उसके पिता मेरे लिए खाने को कुछ लाए लेकिन मैं कुछ भी नहीं खाना चाहती थी।

तेल अवीव के बाहरी क्षेत्र स्थित एक अस्पताल में बृहस्पतिवार को उस समय इजराइली चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों समेत थाइलैंड के प्रतिनिधियों में खुशी की लहर दौड़ गई जब थाइलैंड के पांचों बंधक सेना के एक हेलीकॉप्टर से उतरकर अस्पताल में दाखिल हुए। वे मेडिकल परीक्षण और स्वास्थ्य लाभ के लिए कुछ दिन इस अस्पताल में रहेंगे। बृहस्पतिवार को इजराइल के तीन नागरिकों को भी रिहा किया गया और इसके बदले में इजराइल ने 110 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया। सुरसाक के अलावा, वाचारा श्रीओउन (33), साथियान सुवांकम (35), पोंगसाक थाएन्ना (36) और बन्नावत सीथाओ (27) को बृहस्पतिवार को रिहा कर दिया गया। हमास के चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल पर हमले के दौरान थाईलैंड के 31 नागरिकों को बंधक बना लिया था। थाईलैंड के कई कृषि श्रमिक दक्षिणी इजराइली किबुत्ज़िम और कस्बों के बाहरी इलाकों में स्थित परिसरों में रहते थे और हमास के आतंकवादियों ने सबसे पहले उन जगहों पर कब्ज़ा किया। नवंबर 2023 में हुए पहले संघर्ष विराम समझौते के दौरान, कतर और ईरान की सहायता से थाईलैंड और हमास के बीच हुए समझौते के तहत 23 थाई नागरिकों को रिहा किया गया था। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष के दौरान 46 थाई नागरिक मारे गए हैं, जिनमें वो दो थाई नागरिक भी शामिल हैं जिनकी सात अक्टूबर 2023 को हत्या कर दी गई और उनके शव गाजा ले जाए गए। तेल अवीव के बाहर स्थित शमीर मेडिकल सेंटर की निदेशक डॉ. ओस्नात लेवजियोन-कोराच ने कहा कि उन पांचों लोगों का स्वास्थ्य ठीक है, जिन्हें बंधक बनाया गया था। हालांकि उनमें से अधिकतर को भूमिगत रखा गया था और उन्हें लंबे समय तक सूर्य के प्रकाश में नहीं रखा गया था।

सुनीता विलियम्स ने महिला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर सबसे ज्यादा समय तक चहलकदमी रिकॉर्ड बनाया

» वाशिंगटन, भाषा।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 62 घंटे और 6 मिनट तक अंतरिक्ष में चहलकदमी करके किसी महिला द्वारा अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा समय तक सैर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जून 2024 से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसी विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष में चहलकदमी की। दोनों ने आईएसएस के बाहर जाकर खराब हो चुके रेडियो संचार हार्डवेयर को हटाया तथा नमूने एकत्र किए, जिनसे यह पता चल सके कि परिक्रमा कर रही प्रयोगशाला के बाहरी भाग में सूक्ष्मजीव मौजूद हैं या नहीं। अंतरिक्ष में चहलकदमी पूर्वी तट समय (ईएसटी) के अनुसार सुबह 7:43 बजे शुरू हुई और अपराह्न एक बजकर नौ मिनट पर समाप्त हुई। यह प्रक्रिया 5 घंटे और 26 मिनट तक चली।

ईएसटी अमेरिका के मानक समय के लिए इस्तेमाल किया जाता है जोकि आईएसटी (भारतीय मानक समय) से 10.5 घंटे पीछे। नासा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के सबसे ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में चहलकदमी

के समय 60 घंटे और 21 मिनट को पार कर लिया है। उन्होंने एक महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा अंतरिक्ष में कुल समय चहलकदमी के मामले में व्हिटसन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। नासा के अनुसार विलियम्स का अब तक का अंतरिक्ष में चहलकदमी का कुल समय 62 घंटे और 6 मिनट है, जो नासा की सर्वकालिक सूची में चौथे स्थान पर है। विलियम्स (59) और विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर पर सवार होकर आईएसएस के आठ दिवसीय मिशन पर गए थे। हीलियम रिसाव और थ्रस्टर की खराबी जैसी तकनीकी समस्याओं के कारण हालांकि स्टारलाइनर उनकी वापसी के लिए असुरक्षित था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,